शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 158 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 03 जुलाई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

घूसखोरी मामले में सीबीआई ने एफसीआई के दो अधिकारियों सहित चार आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। एक लाख रुपये घूस लेने के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ओडिशा के भुवनेश्वर से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जिनमें भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के महाप्रबंधक, प्रबंधक (लेखा), निजी कंपनी के मालिक और एक बिचौलिया शामिल है। सीबीआई ने मंगलवार 2 जुलाई को यह जानकारी दी।सीबीआई ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित एफसीआई के महाप्रबंधक प्रेम सिंह भनोट, लेखा प्रबंधक संजय डे, कोलकाता का बिचौलिया सैयद हसनैन अहमद, मेसर्स एसपी ट्रेडर्स एंड सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक मालिना डे पर मामला दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया। एक अन्य बिचौलिया स्वपन कुमार घोषाल सहित पांच आरोपितों के खिलाफ 28 जून को मामला दर्ज किया है। सीबीआई का आरोप है कि आरोपितों ने चावल की ढुलाई का कार्य एक फर्म को देने के एवज में पांच लाख रुपये घूस के तौर पर मांगे थे। इसी क्रम में आरोपितों को शिकायतकर्ता से एक लाख रुपये रिश्वत के तौर लेते हुए गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने आरोपितों के कोलकाता, हैदराबाद और भुवनेश्वर के आवास और कार्यालय में भी तलाशी ली। जिसमें 5 लाख रुपये नकद, लॉकर की चाबियां, मोबाइल, लैपटॉप और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए।

हाथरस: सत्संग में भगदड़ से 130 से ज्यादा लोगों की मौत, आयोजकों पर होगा मुकदमा

मरने वालों में अधिकतर महिलाएं; सीएम योगी ने किया मुआवजे का एलान

हाथरसः सिकंदराराऊ से एटा रोड पर स्थित गांव फुलरई में सत्संग के बाद बड़ा हादसा हुआ। सत्संग खत्म होने के बाद भीड़ निकल रही भीड़ को एक हिस्से से बाबा का काफिला निकालने के लिए रोका तभी भगदड़ मच गई। इसमें 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, कई हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में यह संख्या अभी और बढ़ सकती है।

हाथरस पोस्टमार्टम हाउस भेजे गए 100 से ज्यादा शवः प्राप्त जानकारी के अनुसार 100 से अधिक शव हाथरस पोस्टमोर्टम पर भेजे जा गए हैं। मृतकों में 25 से अधिक लोग एटा के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद फिरोजाबाद से स्वास्थ्य विभाग द्वारा दो डाक्टरों की टीम, पांच एंबुलेंस और एक शव वाहन को मौके पर भेजा गया है।

हाथरस की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री ने जताया दुःख, होगी गहन जांचः मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख तथा घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री स्वयं पल-पल के घटनाक्रम पर सीधी नजर रख रहे हैं, दो मंत्री-मुख्य सचिव और डीजीपी को मुख्यमंत्री ने मौके पर भेजा गया है। एडीजी, आगरा और कमिश्नर, अलीगढ़ के नेतृत्व में टीम गठित कर दुर्घटना के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। हादसे के बाद पोस्टमार्टम हाउस के बाहर बड़ी भीड़ जमा हो गई, एक तरफ शव लाए जा रहे थे तो दूसरी तरफ स्वजन पहुंच रहे थे। शवों के पास बैठे स्वजनों का विलाप सुन हर किसी का दिल पसीज रहा था। मृतकों में कई महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है।

सीएम योगी ने ली हादसे की जानकारीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद हाथरस में हुए हादसे का संज्ञान लिया। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने मंत्री लक्ष्मी नारायण, मंत्री संदीप सिंह, चीफ सेक्रेटरी एवं डीजीपी को मौके पर भेजा है। हाथरस डीएम आशीष कुमार ने कहा जिला प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। घायलों को अस्पताल ले जाया जा रहा है और लोगों का इलाज जारी है।

डॉक्टरों ने मुझे करीब 50-60 लोगों की मौत का आंकड़ा बताया है, कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति एसडीएम ने दी थी और यह एक निजी कार्यक्रम था, मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। प्रशासन का प्राथमिक ध्यान घायलों और मृतकों के परिजनों को हर संभव मदद मुहैया कराना है।

लाशों के ढेर देखकर ड्यूटी पर तैनात सिपाही को आया हार्ट अटैक

एटा: उत्तर प्रदेश के एटा में मेडिकल कॉलेज में लाशों का ढेर देखकर ड्यूटी पर तैनात सिपाही को हार्ट अटैक आ गया। इससे उसकी मौत हो गई। वह क्यीआरटी अवागढ़ में तैनात था। उसे मेडिकल कॉलेज आपात ड्यूटी पर बुलाया गया। इतनी लाशें देखकर वह बर्दाश्त न कर सका। उसे हार्ट अटैक आ गया। सिपाही मूल रूप से अलीगढ़ जिले के बन्ना देवी थाना क्षेत्र के सिद्धार्थनगर का रहने वाला था। यूपी के हाथरस के सिकंदराराऊ में भोलेबाबा के सत्संग के दौरान पंडाल में भगदड़ मच गई। इसमें करीब 120 लोगों की मौत हो गई। जबकि 100 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों को इजाल के लिए आसपास के जिलों में भेजा गया है। जहां बड़ी संख्या में लोगों की मौत है गई। सिकंदराराऊ के फुलरई गांव में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया।

बाबा के काफिले को निकालने के चक्कर में मची भगदड़

हाथरस: यूपी के हाथरस जनपद में सिकंदराराऊ थाना अंतर्गत फुलरई मुगलगढ़ी के एक खेत में साकार हरि बाबा का एक दिवसीय सत्संग चल रहा था। वहां पर बच्चों के साथ महिलाएं और पुरुष बाबा का प्रवचन सुन रहे थे। लगभग पौने दो बजे सत्संग खत्म हुआ, बाबा के अनुयायी बाहर सड़क की ओर जाने लगे। बताया जा रहा है कि लगभग 50 हजार की संख्या में अनुयायियों को सेवादारों ने जहां थे, वहीं रोक लिया। सेवादारों ने साकार हरि बाबा के काफिले को वहां से निकाला। उतनी देर तक वहां अनुयायी गर्मी और उमस में खड़े रहे। बाबा के काफिले के जाने के बाद जैसे ही सेवादारों ने अनुयायियों को जाने के लिए कहा, वहां भगदड़ की स्थिति बन गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्मी, उमस और भीड़ में दम घुटने से अनुयायी वहीं पर बेहोश होकर गिर गए। बताया जा रहा है कि हादसे में अब तक 130 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने और घायल होने वालों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है, साथ ही बच्चों के भी हताहत होने की जानकारी मिल रही है। हादसे के बाद घायलों को सिकंदराराऊ सीएचसी और एटा की ओर एम्बुलेंस से उपचार के लिए भेजा गया। सिकंदराराऊ में हुए हादसे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है। इमरजेंसी से लेकर पोस्टमार्टम हाउस में स्टाफ को तैनात रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मुझे अध्यक्ष बनाने वाली सोनिया गांधी: खड़गे

राज्यसभा के सभापति बोले- किसने बनाया, आप जानें; चेयर का अपमान ठीक नहीं

नई दिल्ली: संसद सत्र के सातवें दिन (2 जुलाई) को राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस हुई। खड़गे ने बहस के बीच धनखड़ से कहा कि मुझे कांग्रेस अध्यक्ष बनाने वाली सोनिया गांधी हैं, आप नहीं। इसके जवाब में सभापति धनखड़ ने खड़गे से कहा कि आपको किसने बनाया, ये आप जाने, लेकिन आप हर बार चेयर को नीचा नहीं दिखा सकते। इस देश और संसदीय लोकतंत्र और राज्यसभा की कार्यवाही के इतिहास में चेयर के प्रति इतनी अवहेलना कभी नहीं हुई, जितनी आपने की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी बोल रहे थे। इसी दौरान सभापति धनखड़ की मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद जयराम रमेश के साथ बहस हुई। धनखड़ ने कहा कि जयराम रमेश बार-बार उन्हें टोक रहे थे। जब जयराम खुद बोलने के लिए खड़े हुए तो धनखड़ ने कहा,

'जयराम रमेश, आप समझदार हैं, आप प्रतिभासंपन्न हैं, गुणवान हैं, आपको तो तुरंत आकर खड़गे की जगह ले लेनी चाहिए क्योंकि आप खड़गे का ही काम कर रहे हैं।' इस पर खड़गे ने कहा, देखिए, ये वर्ण व्यवस्था जो आपके दिमाग में छपी हुई है, उसे यहां बीच में मत लाइए। इसी वजह से आप रमेश को समझदार और बुद्धिमान कह रहे हैं और मुझे बेवकूफ बता रहे हैं, ताकि वे मेरी जगह ले सकें। धनखड़ ने कहा कि खड़गे को उनकी बात समझ नहीं आई और उनके शब्दों का गलत अर्थ निकाला गया।

धनखड़ ने अध्यक्ष नहीं बनाया: खड़गे

खड़गे ने कहा कि यह पद मुझे कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने दिया था। मुझे सोनिया गांधी ने अध्यक्ष बनाया है। यह पद देने का अधिकार सिर्फ सोनिया गांधी के पास है, न धनखड़ के पास और न जयराम रमेश के पास। मुझे जनता ने बनाया है। इस पर धनखड़ ने खड़गे से कहा कि मैं उस स्तर पर नहीं आना चाहता। आपको किसने बनाया, ये आप जाने। आप हर बार चेयर को नीचा नहीं दिखा सकते। हर बार चेयर का अपमान नहीं कर सकते।

आप अचानक खड़े हो जाते हैं और जो आपके मन में आता है वह कहने लगते हैं, ये समझे बिना कि मैं क्या कह रहा हूं।

पुणे पोर्श कार हादसे के नाबालिग आरोपित के पिता और दादा को मिली जमानत

मुंबई। पुणे पोर्श कार हादसे के नाबालिग आरोपित के पिता और दादा को मंगलवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दिया है। इन दोनों को मई महीने में उनके ही ड्राइवर का अपहरण कर धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बचाव पक्ष के वकील प्रशांत पाटिल ने बताया कि उनके मुवक्किलों को कथित अपहरण और गलत तरीके से बंधक बनाने के मामले में अदालत ने जमानत दे दी है। पाटिल ने कहा, "मेरे मुवक्किल जांच एजेंसी के साथ सहयोग करेंगे और अदालत की सख्त (जमानत) शर्तों का पालन करेंगे।"

उल्लेखनीय है कि 19 मई को तड़के पुणे के कल्याणी नगर इलाके में नशे की हालत में नाबालिग आरोपित ने तेज रफ्तार

पोर्श कार चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों इंजीनियरों की मौत हो गई थी। इस घटना में पुलिस ने नाबालिग आरोपित को हिरासत में ले लिया था। इसके बाद आरोपित पिता और दादा ने अपने ही ड्राइवर का अपहरण किया और धमकी दी कि वह पुलिस के समक्ष स्वीकार करें कि यह दुर्घटना उससे हुई है। इसी मामले में पुलिस ने नाबालिग लड़के के पिता विशाल अग्रवाल और दादा को गिरफ्तार किया था।

राहुल गांधी के लोकसभा में दिए गए बयान पर बांसुरी स्वराज ने दिया नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज ने राहुल गांधी के गलत बयानबाजी को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को नोटिस दिया है। बांसुरी स्वराज ने लोकसभा अध्यक्ष को राहुल गांधी के गलत बयानों को उल्लेखित करते हुए 115 के तहत नोटिस दिया है और उन पर कार्रवाई करने की मांग की है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने मीडिया को बताया कि कल विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सदन में बहुत सारे तथ्यहीन और अनुचित बयान

दिए थे। राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना के तहत कोई मुआवजा नहीं दिए जाने का बयान दिया था, जो पूरी तरह गलत है। राहुल गांधी ने किसानों को एमएसपी नहीं देना का दावा किया था, जो पूरी तरह गलत है। मोदी सरकार ने तो कुछ फसलों में एमएसपी 100 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ा दी है। साफ है लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह सारे झूठे बयान जानबूझकर सदन को गुमराह करने के लिए दिये। भाजपा सरकार ने कभी भी किसी भी किसान को आतंकवादी नहीं कहा।

उल्लेखनीय है कि अध्यक्ष के निर्देश 115 के तहत, कोई सदस्य किसी मंत्री या किसी अन्य सदस्य द्वारा दिए गए बयान में किसी गलती या अशुद्धि को इंगित करना चाहता है, तो सदन में मामले का उल्लेख करने या यह मुद्दा उठाने की अनुमति मांगने से पहले अध्यक्ष को गलती का विवरण बताते हुए लिख सकता है।

इंदौर के अनाथ आश्रम में दो दिन में पांच बच्चों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

इन्दौर। इंदौर के एक अनाथ आश्रम में दो दिन में तबीयत बिगड़ने से अब तक पांच बच्चों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चों की मौत मंगलवार को हुई है। घटना शहर के पंचकुइयां स्थित युगपुरुष धाम बौद्धिक विकास केन्द्र में हुई। यहां रहने वाले 29 बच्चों को मंगलवार को चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अनाथ आश्रम में पांच बच्चों के असामयिक निधन पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की जांच के

निर्देश हैं।

श्री युगपुरुष धाम आश्रम की प्राचार्य डॉ अनिता शर्मा ने कहा कि आश्रम में 204 बच्चे हैं। इनमें से पांच की मौत हुई और 29 का इलाज जारी है। जिन पांच बच्चों की मौत हुई, उनमें से दो को मिर्गी आती थी। अन्य अन्य की मौत के पीछे ब्लड इन्फेक्शन और फूड पायजनिंग की आशंका जताई है। मृत बच्चों के नाम शुभम उर्फ करण, आकाश, शुभ, दिव्या और छोटा गोविंद है। सभी की उम्र 5 से 15 साल के बीच है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इंदौर के अनाथ आश्रम के पाँच मासूम बच्चों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और इंदौर जिला प्रशासन को घटना की विस्तृत जांच के निर्देश दिए।

लोहगरा में अधिग्रहित जमीन पर पेट्रोलियम रिफाइनरी स्थापित हो : उज्जवल रमण

लोकसभा व केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री को पत्र दिया इलाहाबाद सांसद ने

अखंड भारत संदेश

करछना। इलाहाबाद सांसद उज्जवल रमण सिंह ने लोकसभा में नियम 377 के तहत लोहगरा ,शंकरगढ़ में अधिग्रहित जमीन पर पेट्रोलियम रिफाइनरी लगाने के लिए बोलने के लिए नोटिस दिया था यह जानकारी देते हुए प्रवक्ता विनय कुशवाहा ने बताया कि समयाभाव के कारण बोलने का मौका ना देकर लोकसभा स्पीकर ने सभी 377 नियम के प्रस्ताव को सीधे संबंधित मंत्रालय के मंत्री के पास भेजवा दिया। उन्होंने बताया कि सांसद उज्जवल रमण सिंह तदुपरांत केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से उनके आफिस में व्यक्तिगत मिलकर पत्र दिया जिसमें जिक्र किया गया कि पूर्व पेट्रोलियम मंत्री स्व. जनेश्वर मिश्र ने लोहगरा मे रिफाइनरी लगाने की धोषणा किया था।जिसके लिए किसानों से जमीन भी अधिग्रहित किया गया पर रिफाइनरी आजतक नहीं लग पाई। प्रवक्ता ने बताया कि लोहगरा रिफाइनरी के लिए पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने भी बहुत प्रयास किया था तब यह कहकर बात टाल दी गई थी कि पहले बीना रिफाइनरी मध्यप्रदेश बन कर तैयार हो जाय फिर लोहगरा रिफाइनरी पर कार्य प्रारंभ होगा लेकिन 2011 में बीना रिफाइनरी चालू हो गई पर लोहगरा रिफाइनरी पर एक इंच भी आगे नहीं बढ़े। सांसद उज्जवल रमण सिंह ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से कहा कि लोहगरा में बिजली उत्पादन कारखाना मैंने स्थापित करा दिया हैं रिफाइनरी की धोषणा के बहुत बाद और उसपर बिजली उत्पादन भी चालू हो गया उसी के सामने पेट्रोलियम रिफाइनरी लग जायेगी तो पूरा पिछड़ा पथरीला जमुनापार औद्योगिक हब हो जायेगा रोजगार के अवसर बहुत बढ़ जायेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री का पोजिटिव रिस्पांस था।

हिंदू विरोधी बयान पर भाजपाइयों ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

सहसों। भारतीय जनता पार्टी मंडल सहसों के कार्यकताओं द्वारा मंगलवार को सायंकाल सहसों गोल चौराहे पर नए संसद के नए सदन में सत्र के दौरान विपक्ष एवं कांग्रेस के नेता राहुल गांधी द्वारा हिंदू विरोधी बयान पर घोर निंदा एवं विरोध जताते हुए राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर राहुल गांधी के विरोध में मुदार्बाद के नारे लगाते हुए भाजपाईयों ने कहा कि हिंसक आदि शब्दों के प्रयोग पर यह अपमान बर्दाश्त नहीं निश्चित रूप से राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो चुका है। हिंदू एवं सनातन का विरोध कांग्रेस के डीएनए में है। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेन्द्र बहादुर सिंह, प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल, जय प्रकाश द्विवेदी, चंद्रेश केसरवानी, राजधर द्विवेदी, अनिल सरोज, संजय सिंह, जयेश केसरवानी, पुष्कर सिंह, सत्यम हिंदू , विमल मिश्रा, धनंजय शाश्वत, मनीष तिवारी, मनोज तिवारी, अमन सिंह राजपूत, लवकुश बिंद, रंजन तिवारी एवं संतोष सिंह सहित आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नदी में बहा व्यक्ति लापता, एनडीआरएफ टीम लगी

अखंड भारत संदेश

ग्राम देवघाट बैठक्वा का है राजू कोल,दो बच्चे का है पिता, पत्नी पूनम का रो-रोकर बुरा हाल

कोराव। थाना कोराव क्षेत्र के ग्राम बैठकवा के निकट स्थित सेवटी नदी के पुलिया से छड़ी गड़ा गांव से गांव वापिस आ रहा सोमवार को करीब पांच बजे राजू कोल पुत्र लल्लू कोल के बह जाने और 24 घंटे के बाद भी लाश न मिलने से गांव में हड़कंप मचा है। ज्ञात हो कि कल सोमवार शाम छ बजे के करीब अचानक हुई बरसात के पानी से आई उक्त नदी में उलध से दिनों गांवों के मध्य बनी पुलिया पर से पानी तेज रफ्तार से बह रही थी और नदी बढ़ रही थी,देर होता देख लापता राजू कोल उम्र 32 वर्ष अपनी सायकिल को कंधे में फंसा कर क्रास करने लगा,किंतु बढ़ती नदी की तेज धार से पुलिया से सायकिल सहित बह गया,संभवतः मौत हो गई। किंतु आज देर शाम तक लाश नहीं मिल सकी। कोराव पुलिस ने एनडीआरएफ टीम बुलवा कर घटनास्थल पर और आस पास नदी में लाश को खोजबाने में न्यूज लिखे जाने तक जुटी हुई है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। राजू कोल के एक बच्ची दीपांशु कोल तथा पुत्र कृष्ण कोल हैं।

फूलपुर के नवागत बीईओ डा. प्रभा शंकर पाण्डेय ने शिक्षक संघ से की मुलाकात

फूलपुर। वर्तमान समय में परिषदीय विद्यालय तकनीकी के मामलें में अपडेट हो चुका है। ऐसे डिजिटाइजेशन के युग में शिक्षकों को तकनीकी दक्षता से परिपूर्ण होना होगा। उन्हें ससमय विभागीय सूचनाओं का आदान प्रदान करना चाहिये ताकि कोई पेंडेंसी शेष न रहे। उक्त बातें फूलपुर बीआरसी में में नवागत बीईओ डा.प्रभाशंकर पाण्डेय ने कार्यभार ग्रहण करने पर कहा।उनका स्वागत करने आये राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों से उन्होने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं का तत्काल निस्तारण उनके स्तर पर किया जाता रहेगा। महासंघ के अध्यक्ष मिथिलेश यादव ने कहा कि ब्लॉक में सकारात्मक परिवर्तन और कार्य में महासंघ साथ साथ खडा. रहेगा। महामंत्री राधेश्याम मिश्रा ने कहा कि हम लोग हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ के पोषक शिक्षक है। संयुक्त महामंत्री राजेश शुक्ला व वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहा अधिकारी, शिक्षक और महासंघ मिलकर ब्लॉक को उत्कृष्ट बनायेंगे।पदाधिकारियों ने बीईओ को बुके व माल्यार्पण से स्वागत किया। मौके पर मो.इमरान,भानवेन्द्र सिंह,विजय सिंह,दयाशंकर आदि मौजूद रहे।

सीएचसी के समीप चार अस्पतालों को सीज के बावजूद झोलाछाप कर रहे हैं जांच और इलाज

27 अप्रैल को सीज के बाद मचा था हड़कंप झोलाछाप झोला लेकर भाग गए थे

मऊआइमा। एसडीएम सोरांव के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मऊआइमा क्षेत्र के विभिन्न अस्पतालों का निरीक्षण किया। इस दौरान चार अस्पतालों को सील किया गया था। इस दरम्यान अस्पतालों के संचालक अपना नर्सिंग होम ,हॉस्पिटल बंद करके फरार हो गए थे। बताया गया है कि 27अप्रैल को उप जिलाधिकारी सोरांव डॉक्टर गणेश कुमार कनौजिया, अपर जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार तिवारी के संग मऊआइमा सीएचसी के बगल में निजि अस्पतालों , अल्ट्रासाउंड सेंटर बगैर फिजिशियन के टेक्नीशियन द्वारा संचालित किया जा रहा था। जबकि एक निजी अस्पताल में चार ऑपरेशन के मरीज एडमिट थे और कोई डॉक्टर उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में दोनों को सील करते हुए अस्पताल का पंजीकरण निलंबित कर दिया गया था। इसके अलावा अन्य सेंटर भी सीज कर दिया गया था।और आरोप है कि कुछ दिन बंद रहने के बाद सीज अस्पताल गुप चुप ढंग से झोलाछाप डाक्टर मरीजों का आप्रेशन कर रहे हैं। खुलेआम मरीजों का आर्थिक सोशण किया जा रहा है। बताया गया है कि विगत दिनों सीज अस्पताल में आप्रेशन के दौरान ग्राम गदियानी के एक मरीज की मौत हो गई थी। हंगामा न हो इसके लिए एक लाख रूपया मृतक के परिजनों को देकर चुप करा दिया गया। आरोप है कि एक झोलाछाप डॉक्टर नकली सर्जन बनकर घूम घूम कर निजी अस्पतालों में आप्रेशन कर रहा है। इस बाबत सीएचसी प्रभारी राम गोपाल वर्मा ने कहा कि लिखित शिकायत मिलते ही कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रयागराज का यमुनापार मेरा घर है और यहां के लोग हैं मेरे देवता : योगेश शुक्ल

अखिल भारतीय प्रधान संघ के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ भाजपा नेता का ग्राम पंचायत चपरो में मनाया 55 वा जन्मदिन

मेजा। अखिल भारतीय ग्राम प्रधान संघ ने अपने संरक्षक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश शुक्ल का 55वा जन्मदिन संघ के जिला अध्यक्ष तथा ग्राम प्रधान चपरो सुरेश तिवारी के आवास पर मनाया गया।उक्त कार्यक्रम में भाजपा नेता योगेश का कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन कर उनके दीघार्यु होने की कामना किया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा नेता योगेश शुक्ल ने कहा कि यमुनापार मेरा घर है यहां के लोग मेरे लिए देवता हैं, मैं राजनीति में कभी किसी पद और लालसा के लिए था और न ही कोई लालसा रहती हैं लेकिन कार्यकताओं के अपेक्षा के लिए मन बनाया जाता है अगर सफलता नहीं मिली तो मैं कभी विचलित नहीं होता न ही हताश होता हूं। मैं आप लोगो के बीच में विकसित भारत के संकल्प को लेकर विकसित ग्राम पंचायत के मिशन को लेकर जल्द ही आऊंगा उसमे आप लोग प्रयागराज को अग्रेसर की भूमिका में लाने के लिए सहयोग करें। इसी क्रम में मेजा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने कहा कि योगेश जी एक अच्छे नेता , एक अच्छे बेटा, और एक अच्छे वक्ता हैं इस लिए हम सब लोग आपके साथ हैं।इस मौके पर ओम प्रकाश केशरी अध्यक्ष नगर पंचायत कोरांव, सत्येंद्र त्रिपाठी , पप्पू काजी, नीलम पथिक, शंकर दयाल, राजेश द्विवेदी, राज मणि द्विवेदी, इंद्र शरण भूतीर्या , बबुआन द्विवेदी, शशि द्विवेदी, कमलेश मिश्र, अनिल शुक्ल, सहित सैकड़ों की संख्या में ग्राम प्रधान प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नया कानून लागू होते ही मऊआइमा में दर्ज हुआ पहला मुकदमा

मऊआइमा। नया कानून लागू होते ही मऊआइमा थाने में दुर्घटना में अधेड़ की मौत पर नए कानून के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। एक जुलाई को पूरे देश में नये कानून लागू किए गए।जिसके तहत पहला मुकदमा दर्ज किया गया।बता दें कि सोमवार को कमलेश कुमार 45 वर्ष साइकिल से बराडीह सिकन्दरपुर घर जा रहा था कि अमानगंज सकरामऊ के निकट बुलेट सवार ने साइकिल सवार को कुचल दिया। मृतक कमलेश कुमार की पत्नी रीना देवी ने देर रात में मुकदमा दर्ज कराया।

दहेज की बलि चढ़ी विवाहिता के नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठी

मऊआइमा। मऊआइमा के ग्राम चण्डीपटटी निवासनीय नेहा देवी का शव 17 जून को संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे पर झूलता हुआ मिला था। मृतका के पिता लालचन्द्र सरोज ग्राम यासीनपुर बहरिया निवासी ने मऊआइमा थाने में दहेज में बाइक एक लाख रुपए न मिलने का आरोप लगाते हुए नेहा के पति सुशील कुमार,जेठ सुनील कुमार, जेठानी अज्ञात आदि के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।मृतका के पिता लालचन्द्र ने अधिकारियों को शिकायतीपत्र देकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

उग्रसेनपुर निवासी सीआरपीएफ जवान बृजेश सिंह का पश्चिमी बंगाल में निधन

प्रतापपुर। उग्रसेनपुर निवासी रहे स्व. उदयराज सिंह के तीन पुत्रों में सबसे छोटे बृजेश सिंह गहरवार पश्चिम बंगाल में सीआरपीएफ जवान थे, उनको पीलिया बीमारी हो गई थी जिसका इलाज कोलकाता में चल रहा था विगत एक हफ्ते इलाज चलने के बाद बृजेश सिंह गहरवार का निधन रविवार को हो गया। बृजेश सिंह का शव? सोमवार को घर पहुंचने पर वृद्ध माता एवं धर्मपत्नी तथा एक पुत्र एवं एक पुत्री का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।आस पास के गांवों एवं रिश्तेदारों को सूचना मिली तो सभी रोते बिलखते हुए पहुंचे और आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त किया। शव के साथ पश्चिम बंगाल के सीआरपीएफ अधिकारी एवं जवान भी आये थे और सीआरपीएफ कमांडेंट पड़िला एवं फूलपुर थानाध्यक्ष दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और अंतिम यात्रा में शामिल रहे। पुलिस एवं सीआरपीएफ के जवानों ने सलामी दी और रोते बिलखते परिजनों ने भी माल्यार्पण करके बृजेश सिंह गहरवार को अंतिम विदाई दी। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में संतोष सिंह, विमल सिंह, हवलदार सिंह, लाल बहादुर सिंह, त्रिलोचन बनकटा, प्रधान राजीव मौर्या, आलोक सिंह, कमलेश सिंह, हरिहर प्रताप सिंह, अवधेश सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य लालजी गुप्ता, लालजी यादव, विजय यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

एक महिला की दबंगई के आगे लाचार दिख रही पुलिस

गैर प्रांत रह रहे शरीफ परिवार की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप, कोर्ट और पुलिस अधिकारियों के भी आदेश फेल

कोराव। किसी की संपत्ति हड़पने और दबंगई के बढ़ते प्रचलन कानून और व्यवस्था के लिए ठीक नहीं नजर आता। ऐसा एक वाकिया थाना कोराव प्रयागराज के यमुनानगर जोन पुलिस कमिश्नरनरेट में सुनने देखने को मिला है। जहां एक कथित महिला द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ दूसरे की जमीन जबरन कब्जा करने के लिए हर स्तर पर उतारू है। दरअसल कोरांव थाना क्षेत्र के ग्राम बदौआ कला में स्थित भू खंड संख्या 466 क श्रवण कुमार मिश्र आदि का है,वे लोग गैर प्रांत सपरिवार रहते हैं,जिस पर पड़ोसी की नजर गैर प्रांत रह रहे परिवार की जमीन पर लगी हुई है। धीरे धीरे कई चक्र में दबंग एक महिला को आगे करके जबरन अवैध निर्माण कर रहे हैं। इस विषय में पीड़ित परिवार ने न्यायालय, तहसील प्रशासन और स्थानीय पुलिस प्रशासन से न्याय किए जाने तथा अवैध कब्जा किए जाने को रोक लगाने की मांग की और निरंतर समय समय पर प्रार्थना पत्र दे दे कर हस्तक्षेप की मांग करते आ रहे हैं। किंतु विवादित स्थल पर राजस्व और पुलिस टीम को कथित अतिचारी महिला आदि टिकने नहीं दे रहे। ऐसा प्रतीत होता है कि जिसे जबरजस्ती कब्जा करना हो तो महिला को शस्त्र बना कर किया जा सकता है। क्या दबंगई गुंडई पुलिस प्रशासन के लिए कोई मजबूरी है या कानून व्यवस्था हित में महिला और पुलिस बल का अभाव है। या सब पर भारी है। उक्त प्रकरण में पुलिस उपायुक्त प्रयागराज ने थाना कोरांव पुलिस को तत्काल कार्यवाही का आदेश दिया है और एसडीएम ने भी एसएचओ को आदेशित 10 जून को किया है।जिसके अनुपालन में पीड़ित ने बताया कि थाने के दरोगा जी और पुलिस सिपाही कई बार मौके पर गए किंतु कब्जा करने वाली महिला और उसके साथी मैली मददगार राजगीर मिस्त्री आदि ने आदेश को ठेंगा दिखा दिया। उक्त महिला और दबंगों पर कई गंभीर प्रकृति के पूर्व में भी आरोप हैं। फिलहाल उक्त भूमि विवाद को न्यायोचित ढंग से पीड़ित परिवार न्यायालय का भी दरवाजा खटखटा रहे और मौके पर शांति व्यवस्था यथा स्थिति कायम किए जाने की मांग कर रहे हैं अन्यथा स्थानीय प्रशासन ऐसी सरहंगई को छूट देगी या कोर्ट के आदेश को नहीं मनवायेगा तो किसी भी समय उक्त विवाद में अप्रिय घटना कारित हो सकती है। जिससे पुनः पुलिस आयुक्त प्रयागराज से दंडात्मक विधिक कार्यवाही की मांग श्रवण कुमार मिश्र ने की है।

न्यूज झरोखा

भाजपा के कार्यकताओं ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाएं

नैनी। नैनी में भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के तत्वाधान में किया गया वृक्षारोपण का कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा प्रयागराज महानगर उपाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के नेतृत्व में काजीपुर नैनी में वृक्षारोपण का बेहद रूप से चलाया गया इस अवसर पर संजय श्रीवास्तव ने कहा प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है एक वृक्ष अपने जीवन में अवश्य लगाना चाहिए वृक्ष से ही पर्यावरण को शुद्ध किया जा सकता है हम सभी लोग मिलकर के अपने-अपने घर के सामने एक वृक्ष का पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव नैनी मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा शर्मा उपाध्यक्ष नित्यानंद मिश्रा महामंत्री उमेश सेन कार्यकारिणी सदस्य सुनील विश्वकर्मा और रमेश पटेल पीयूष मिश्रा कार्यकताओं की सहभागिता मौजूद थी।

वृक्षारोपण, एक पेड़ लगाएं मां के नाम

हनुमानगंज। जमुनीपुर स्थित मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज में मंगलवार को प्रधानमंत्री के आवाहन पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रबंधक जयंत श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री के द्वारा की गई अपील-एक वृक्ष मां के नाम -लगाने से वातावरण, प्रकृति एवं जलवायु के दृष्टि से बहुत ही सुंदर कार्य है। इसी कार्यक्रम के तहत विद्यालय परिसर में फल, फूल व छायादार वृक्ष उपस्थित शिक्षकों ने अपनी अपनी माता के नाम लगाया। इस दौरान प्रधानाचार्य विमल ऊत्तम, पूर्व जिलाध्यक्ष गंगापार भाजपा अश्वनी दुबे, नागेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ शिक्षक नेता उपेन्द्र वर्मा, डॉ विनय शुक्ल, अरुण दुबे, राजीव शुक्ला, अमरपाल सिंह सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाजसेवी आजाद मंसूरी को जमीअतुल मंसूर ने किया सम्मानित

मऊआइमा। मऊआइमा के मरखा मऊ गांव निवासी समाजसेवी आजाद मंसूरी को लखनऊ के मेजबान होटल में सम्मान समारोह में एसडीएम मो नासिर मंसूरी द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मोहन लालगंज के सांसद आर के चौधरी , जमीअतुल मंसूर के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री जावेद इकबाल , आयशा नाज मंसूरी वढरउ उत्र्रए अक्र 8 , जमीअतुल मंसूर यूपी अध्यक्ष हाजी रबीउल्लाह मंसूरी, बिहार अध्यक्ष अजीम मंसूरी आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एसएचओ सरायममरेज ने जनप्रतिनिधियों को नये कानून के विषय में दी जानकारी

जंघई। सरायममरेज थाना में एसएचओ सरायममरेज योगेश प्रताप सिंह ने जनप्रतिनिधियों तथा समाजसेवियों एवं क्षेत्र के संभ्रांत लोगों के साथ एक बैठक कर- के एक जुलाई से लागू तीन नये आपराधिक कानून के संबंध में जागरूक कर विस्तार से कानून के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया नये कानून में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ, जवाबदेह, भरोसेमंद एवं न्याय प्रेरित बनाने का अद्भुत प्रयास है। इन तीनों कानून के तहत जीरो एफआईआर ऑनलाइन शिकायत एवं इलेक्ट्रोनिक माध्यम से समन समेत सभी प्रकार के जघन्य अपराधों में घटनास्थल की वीडियोग्राफी की जाएगी, ताकि सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं किया जा सके। नया कानून लागू होने से हर तबके के लोगों को कम समय में पूर्ण इंसाफ मिलेगी।इस अवसर पर सरायममरेज के समस्त उपनिरीक्षक, समस्त पुरुष महिला कांस्टेबल एवं क्षेत्र के प्रधानगण, क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

वनमहोत्सव : अल्हवा ग्राम पंचायत कोरांव में हुआ पौधारोपण

कोराव। नए सत्र के वन महोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को अमलीजामा पहनाने के क्रम में कोरांव वन रेंज सामाजिक वानिकी वन प्रभाग प्रयागराज ने ब्लॉक कोराव के ग्राम पंचायत मॉडल ग्राम अल्हवा में नव सृजित अमृत सरोवर तालाब कुर्मियाँ बस्ती के भीटे पर सोमवार को फलदार और अन्य प्रजाति के पेड़ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे के हाथों से किया। साथ ही ग्रामीणों को ग्रीन ग्राम का दर्जा प्राप्त होने में सहयोग की मुख्य अतिथि ने अपील किया। मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान शहजादे ने हरियाली को संजोए जाने और हरित क्रांति के तहत ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगवा कर पर्यावरण एवम ऑक्सीजन हित में सहयोग प्रदान करने की अपील किया। ग्राम प्रधान ने वनाधिकारियों का शुक्रिया अदा किया कि तहसील में अल्फाबेट से नए सत्र का प्रथम जुलाई से अल्हवा ग्राम पंचायत में वन महोत्सव का आगाज किया। और वन अधिकारियों से ग्राम अल्हवा में स्थिति पीएमजीएसयाई से निर्मित सड़कों की पटरियों पर छाएदार पेड़ ट्री गार्ड सहित लगवाने का आग्रह भी किया। ग्राम प्रधान ने सारी ग्राम समाज में स्थित नदी नाला सार्वजनिक स्थलों कार्यालयों विद्यालयों बैकुंठ धाम आदि स्थानों पर पेड़ ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लगाने का आहवान किया। इस निमित्त प्रधान ने मनरेगा श्रमिकों को उक्त स्थलों पर गढ़े खुदवाए जाने का निर्देश भी दिया। वन महोत्सव में उप वन क्षेत्राधिकारी कोरांव चंदन सिंह भारतीया आशीष कुमार पटेल,मथुरा यादव वन दरोगा,मानवेंद्र सिंह पटेल, वन रक्षक सुरक्षा वन प्रहरी गुलजार अहमद रोजगार सेवक अल्हवा आदि आम जन मौजूद रहे।

इलाज के दौरान पत्र वितरक की पत्नी का निधन, शोक

सहसों। पत्र वितरक फाफामऊ रोड सहसों निवासी सुरेंद्र कुमार मौर्य की चालीस वर्षीया पत्नी कुसुम देवी का मंगलवार को इलाज के दौरान अचानक निधन हो जाने से पत्र वितरक सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में शोक की लहर दौड़ गई। पत्र वितरक ने बताया कि चार-पांच दिनों से तबीयत खराब होने पर प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया था। जहां पर अचानक इलाज के दौरान मंगलवार दोपहर में सांसे थम गई । निधन की सूचना पर उनके आवास सहसों पर पहुंचकर लोगों ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाते गहरा शोक जताया। इस अवसर पर पत्र वितरक रामकुमार सोनी पुट्टीलाल, महेंद्र कुमार, राजेंद्र पटेल, बबलू यादव, टंटू पाल, मनोज सिंह, तेज प्रताप सिंह लल्लू , पप्पू यादव, अनुज मिश्रा, शिवधारीपाल, रमेश कुमार , चंद्रधर द्विवेदी आदि ने शोक संवेदना व्यक्त की।

सात दिनों तक मऊआइमा द्वितीय विद्युत वितरण रहेगी बाधित

मऊआइमा। आर डी एस एस रिवैन्प्ड योजना के तहत 33केवी मऊआइमा द्वितीय का मुख्य लाइन में जर्जर तारों, खम्भों,स्पेन में पोल लगाने के लिए तीन जुलाई से सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक सात दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उक्त जानकारी उपखंड अधिकारी मऊआइमा नरेंद्र कुमार यादव ने दी है।

महाकुम्भ आयोजन के पूर्व प्रयागराज को बनाएं प्लास्टिक मुक्त : मण्डलायुक्त

महाकुम्भ 2025 : अपर पुलिस महानिदेशक एवं मण्डलायुक्त ने दीप प्रज्जवलन कर गोष्ठी/ कार्यशाला का किया शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 को दिव्य एवं भव्य रूप से आयोजित किए जाने हेतु मंगलवार को इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन सभागार में प्रयागराज जनपद के स्टेक होल्डर्स के सुझावों को महाकुम्भ कार्ययोजना में सम्मिलित करने के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर एवं मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की संयुक्त अध्यक्षता में एक विशेष कार्यशाला/गोष्ठी का आयोजन किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक भानु भाष्कर, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, एमएनआईटी के निदेशक आर0एस0 वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक प्रेम कुमार गौतम, पुलिस आयुक्त तरूण गाबा, कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरण आनन्द, जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में जगत तारन गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुती दी गयी एवं हिंदू महिला विद्यालय इण्टर कालेज सिविल लाइंस के स्वच्छ सारथी क्लब की छात्राओं के द्वारा स्वच्छता के विषय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में दिव्य कुम्भ-भव्य कुम्भ से सम्बंधित लघु चल-चित्र का प्रदर्शन किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को उपहार स्वरूप एक-एक किट व नाविकों को जीवन रक्षक जैकेट प्रदान किया गया।सर्वप्रथम सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए

> **श्रद्धालुओं को सुरक्षा एवं अच्छी सुविधा प्रदान करना हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता-अपर पुलिस महानिदेशक**
>
> **महाकुम्भ 2025 को दिव्य एवं भव्य रूप से आयोजित किए जाने हेतु स्टेक होल्डरों से लिए गए सुझाव**
>
> **गोष्ठी में पथ विक्रेताओं को उपहार स्वरूप एक-एक किट व नाविकों को जीवन रक्षक जैकेट किया गया प्रदान**
>
> **अपर पुलिस महानिदेशक के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो को दिलायी गयी स्वच्छता की शपथ**

नगर आयुक्त चन्द्र मोहन गर्ग के द्वारा प्रयागराज को स्वच्छ शहर के रूप में विकसित करने हेतु बनायी गयी कार्य योजना प्रस्तुतीकरण किया गया। उन्होंने बताया कि सिटी सैनिटेशन प्लान के अन्तर्गत अभी तक एक संस्था के माध्यम से 80 वार्डों में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का कार्य किया जा रहा है बाकी 20 वार्डों में भी जल्द से जल्द टेण्डर प्रक्रिया को पूरा कर शत-प्रतिशत घरों से कचरा कलेक्शन का कार्य किया जायेगा। शहर को स्वच्छ रखने के लिए 5200 मैनपॉवर लगी हुई है, महाकुम्भ के दृष्टिगत 2000 से 2500 मैन पॉवर अस्थाई रूप से और बढ़ाया जायेगा। शहर में कूड़ा कलेक्शन व ट्रांसपोर्टेशन का काम सुचारू रूप से कराये जाने हेतु 5 हजार डस्टबिन क्रय किए जाने के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। सफाई व्यवस्था की मानीटरिंग के लिए सभी कूड़ा कलेक्शन गाड़ियों में जीपीएस टैर्जकिंग सिस्टम लगाये गये है। बरसात के बाद घाटों पर जमी सिल्ट की सफाई हेतु थर्ड पार्टी एजेंसी के माध्यम से योजना बनाकर कार्य किया जायेगा। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी स्टेक होल्डर्स से अपील की कि आप लोग जनसामान्य में यह जागरूकता लाने में हमारा सहयोग करें कि वे घरों के कचरों को कूड़ा गाड़ियों में ही दे और सड़क पर गंदगी न फैलायें। उन्होंने कहा कि हम कितनी भी कोशिश करें, परंतु बिना नागरिकों के सहयोग के 24 घण्टे हमारा जनपद स्वच्छ बना रहे, यह सम्भव नहीं है।ह्यह्यदिव्य कुम्भ-भव्य कुम्भह्लह्ल के लिए पर्यटकों व तीर्थ यात्रियों के लिए एक अविस्मर्णीय अनुभव हेतु प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा कराये जा रहे प्रमुख कार्यों की जानकारी देते हुए उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार चैहान ने अवगत कराया कि शहर को और भव्य रूप देने के लिए योजना बनायी गयी है। उन्होंने महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत जनपद के सुन्दरीकरण हेतु चिन्हित प्रमुख चैराहों, सड़कों, फ्लाईओवर सहित शहर क्षेत्र के अन्य स्थानों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 36 चैराहों का सुन्दरीकरण का कार्य प्रगति पर है। चैराहों पर ग्रीन बेल्ट, कुम्भ के थीम पर आधारित मोराल्स भी बनायी जायेगी। उन्होंने बताया कि चैराहों व सड़कों के सुन्दरीकरण हेतु विशेषज्ञ आर्किटेक की मदद ली जा रही है। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर, लेप्रोसी चैराहों पर टैज्फिक मैनेजमेंट, एयरपोर्ट से संगम तक छ रोटरी विकसित किए जाने, फ्लाइओवर के पिलर्स की पेंटिंग, फ्लाइओवर के नीचे ग्रीनरी, वॉल पेंटिंग, शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर गेट आदि के बारे में बनायी गयी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव के द्वारा महाकुम्भ-2025 को ग्रीन महाकुम्भ-2025 के रूप में विकसित किए जाने व हरित आवरण को बढ़ाये जाने हेतु सामाजिक वानिकी वन प्रभाग प्रयागराज के द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रयागराज शहर को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों, छोटी सड़कों व गंगा नदी के किनारे तटीय भूमि पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर सुन्दरीकरण किए जाने के साथ जनपद में हरित महाकुम्भ के आयोजन हेतु लगभग 1,50,000 वृक्षारोपण की जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति पांच पौधे अवश्य लगाये व उसकी देखभाल करें। आयोजित गोष्ठी/कार्यशाला में उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए अपर पुलिस महानिदेशक श्री भानु भाष्कर ने कहा कि हम सभी लोगो की सर्वोच्च प्राथमिकता महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा एवं अच्छी सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नाव में बैठने वाले सभी यात्री शत-प्रतिशत लाइफ जैकेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जनपद प्रयागराज और मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त बनाये जाने के लिए सभी जनपदवासियों से सहयोग प्रदान करने के लिए कहा है। साथ ही साथ उन्होंने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना को और सुदृढ़ बनाये जाने हेतु लोगो से अपने सुझाव देने के लिए कहा है।

मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने महाकुम्भ-2025 को स्वच्छ महाकुम्भ के रूप में आयोजित किए जाने हेतु सभी लोगो से प्लास्टिक का प्रयोग न करने की अपील करते हुए कहा कि यदि हम महाकुम्भ के आयोजन के पूर्व प्रयागराज को प्लास्टिक मुक्त बना सके, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने मेले में आयोजित होने वाले भण्डारों में थमाकोल के स्थान पर मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग किए जाने के लिए कहा। कहा कि सभी लोग यह संकल्प ले कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग किसी भी दशा में नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आप सभी लोग अपने घर के निकास द्वार पर कपड़े से बने हुए दो झोले टांग कर रखे और घर से निकलते समय अपने साथ झोला अवश्य लेकर निकलें। कार्यक्रम में एमएनआईटी के निदेशक आर0एस0 वर्मा ने कहा कि महाकुम्भ के आयोजन में भीड़ प्रबंधन, सर्विलांश व अन्य तकनीकि कार्यों में हमारे संस्थान के द्वारा जो भी सहयोग हो सकता है, उसे हमारा संस्थान कर रहा है और करते रहेंगे। उन्होंने महाकुम्भ प्रबंधन के लिए डेवलप किए गए एप्प के बारे में भी बताया।

पुलिस आयुक्त तरूण गाबा ने कहा कि हम सब के लिए यह गर्व की बात है कि हम सब महाकुम्भ के आयोजन में अपना योगदान दे रहे है। उन्होंने कहा कि यह विश्व का सबसे बड़ा कार्यक्रम होता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व अन्य नई तकनीकियों का प्रयोग करते हुए भीड़ मैनेजमेंट एवं यातायात प्रबंधन पर कार्य किया जायेगा। कहा कि यह ऐसा कार्यक्रम है, इसमें कोई भी गलती न होने पाये। उन्होंने कहा कि ऊंचाईयों को छूने के लिए मेहनत करनी ही होती है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपनी-अपनी जिम्मेदारी को पूरी तनमयता के साथ निर्वहन करते हुए इस महा आयोजन में अपने दायित्वों को निभायें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से पुलिसजन अच्छा व्यवहार करें, इसके लिए उनके लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि टीम भावना के साथ सबको मिलकर कार्य करना होगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने कहा कि महाकुम्भ-2025 जो कि विश्व का सबसे बड़ा आयोजन होता है, यह आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उदाहरण बन सके तथा विश्व के सामने एक अच्छी मिसाल पेस कर सके व यहां पर वेलकमिंग एटमॉस्फियर बने, इसके लिए आप सभी का सहयोग महत्वपूर्ण एवं उपयोगी होगा। विकास कार्यक्रमों एवं जनपद के सौन्दर्यीकरण के लिए आपके द्वारा दिए गए सुझाव व सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि सभी कार्य ससमय पूर्ण करा लिए जायेंगे। इस अवसर पर आईजी प्रेम कुमार गौतम, एसएसपी कुम्भ मेला ने भी अपने सुझाव दिए।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कुम्भ मेलाधिकारी श्री विजय किरण आनन्द ने गोष्ठी/कार्यशाला में आये हुए प्रयागवाल, आचार्यबाड़ा, दण्डीबाड़ा, खॉकचैक सहित अन्य संस्थाओं के पदाधिकारियों के साथ नाविक संघ, पार्षदगणों, होटल एसोसिएशन, टैक्सी-टेम्पों यूनियन, स्ट्रीट वेण्डर तथा अन्य स्केट होल्डरों से महाकुम्भ-2025 के आयोजन को भव्य एवं दिव्य रूप से आयोजित किए जाने हेतु उनके सुझाव प्राप्त करते हुए कहा कि कार्ययोजना में आपसभी के द्वारा दिए गए सुझावों को शामिल करते हुए आयोजन को भव्य रूप से आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर अन्य वरिष्ठ अधिकारीगणों के साथ स्टेक होल्डर्स सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इफको की फूलपुर इकाई में नैनों यूरिया प्लस के उत्पादन की मिली मंजूरी

किसानों को 225 रूपए में मिलेंगी आधा लीटर की बोतल

फूलपुर। नैनों यूरिया के नये संस्करण नैनों यूरिया प्लस के उत्पादन हेतु इफको की फूलपुर इकाई को मंजूरी मिल गई है। अब देश के किसान अपने खेतों सूक्ष्म पोषक तत्वों की उपलब्धता एवं दक्षता के साथ फसल की पैदावार बढ़ाने का काम करेंगे। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इफको निर्मित 'नैनो यूरिया प्लस' उर्वरक को इफको की फूलपुर इकाई में उत्पादन की मंजूरी मिलने पर इफको के अधिकारियों ने एक दूसरे को बधाई दी। इफको ने बताया की नैनो यूरिया प्लस महत्वपूर्ण विकास चरणों में फसल की नाइट्रोजन आवश्यकताओं को पूरा करती है। इसका उपयोग मिट्टी के स्वास्थ्य, किसान की लाभप्रदता और टिकाऊ पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक यूरिया और अन्य नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के स्थान पर किया जाता है। किसानों के लिए नैनो यूरिया प्लस 225 के कम दाम में आधा लीटर की बोतलें में उपलब्ध रहेगी। इफको के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने फूलपुर ईकाई में नैनों यूरिया प्लस के उत्पादन पर इफको के प्रबंध निदेशक डा उदय शंकर अवस्थी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की किसानों के हित के साथ ही भूमि की स्वस्थता के लिए नैनों यूरिया प्लस की उत्पत्ति इफको की दूरगामी सोच का नतीजा है। नैनो यूरिया प्लस पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना पौधो के विकास में सहायता करेगा। इसका उद्देश्य देश के किसानों को लाभ पहुंचाना तथा आत्मनिर्भर भारत व आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना है। वहीं इफको में नैनों यूरिया प्लस के उत्पादन की मंजूरी मिलने पर अधिकारियों ने प्रबंध निदेशक के साथ ही इफको के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (ईकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया को धन्यवाद ज्ञापित किया। **केन्द्रीय कृषि मंत्रालय ने नैनों यूरिया को तीन साल के लिए किया है अधिसूचित :** देश की प्रमुख सहकारी उर्वरक निमार्ता इफको को नैनों यूरिया प्लस का उत्पादन करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने दो माह पूर्व मंजूरी देते हुए नैनो यूरिया प्लस को तीन साल के लिए अधिसूचित (नोटिफाई) किया था। अब इफको की फूलपुर इकाई में उत्पादन शुरू करने की मंजूरी मिलते ही अधिकारियों के साथ ही क्षेत्रीय किसानों में हर्ष व्याप्त है।

नैनी हनुमान नगर में सड़क चौड़ीकरण में हंगामा

हनुमान नगर में समाप्त नही हो रहा सड़क चौड़ीकरण का विवाद

नैनी। नैनी स्टेशन रोड से मेवालाल की बगिया तक महाकुम्भ के लिए प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण का कार्य कर रहे ठेकेदार पर मनमानी और अनियमितता का आरोप लगाते हुए स्थानीय पार्षद व व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जयसवाल व दुकानदारों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि ठेकेदार लोगों से भेदभाव करके नाली निर्माण का काम करा रहा है। स्थानीय लोगों ने काम रुकवा दिया। पीडीए के जोनल अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों से बिना भेदभाव एक समान अतिक्रमण हटाने और निम्माण कार्य कराए जाने का आश्वासन दिया। हनुमान नगर मोहल्ले में पिछले कई माह से नाला बनाने में काम ठेकेदार निर्माण कार्य करा रहा है। स्थानीय पार्षद और लोगों का आरोप है। कि ठेकेदार भेदभाव करके निर्माण कार्य करवा रहा है। यह भी आरोप लगाया गया कि गरीबों जिनके पास रहने की जगह नहीं है वहां एक फिट जगह नहीं हछोड़ा रहे हैं। पार्षद व व्यापार मंडल अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने इसका विरोध किया। जोनल अधिकारी आलोक गुप्ता ने बिना भैदभाव नाप कराकर नाली निर्माण कार्य करने का आश्वाशन दिया है।

शिव तांडव की प्रस्तुति देख दर्शक हुए अभिभूत

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी अवंतिका कॉलोनी स्थित चंद्रलोक गेस्ट हाउस में मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पं राजेंद्र प्रसाद शुक्ल ने कपिल मुनि के जन्म, ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना एवं सती द्वारा पिता दक्ष प्रजापति के यज्ञ कुंड में अपने शरीर की आहुति देने की अत्यंत मार्मिक कथा सुना कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कपिल मुनि के जन्म की कथा सुनाते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि कपिल मुनि सांख्य दर्शन के प्रवर्तक थे जिन्हें भगवान विष्णु का पंचम अवतार माना जाता है। इसके बाद सती प्रसंग की चर्चा की। इस दौरान पटवा ग्रुप के कलाकार द्वारा शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुति देखकर दर्शक अभिभूत हो गए। कथा के मुख्य यजमान राकेश त्रिपाठी, राधेश्याम तिवारी एवं डी के सिंह ने सपत्नीक श्रीमद् भागवत जी की आरती की। कथा में प्रमुख रूप से अवधेश पांडेय, आर के शुक्ला, अरुण कुमार तिवारी, एस पी तिवारी, उमाकांत द्विवेदी, बी बी दुबे, राज करण नेता, एस के वर्मा, गुड्डू सिंह एवं भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

जिला जेल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, जिला जज ने बंदियों से उन्हें मिलने वाली सुविधा उनकी परेशानी की जानकारी ली

नैनी। नैनी में जिला जेल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण जिला जज सन्तोष राय ने जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल, डीसीपी यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय के साथ त्रैमाशिक निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला जज ने बंदियों से उन्हें मिलने वाली सुविधा, उनकी परेशानी व उन्हें कानूनी मदद की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने कारागार पाठशाला, अस्पताल, बैरकों के साथ ही पाकशाला (किचन) का निरीक्षण किया। लगभग एक घंटे से अधिक निरीक्षण के बाद अधिकारी वापस लौट गए। इस मौके पर वरिष्ठ जेल अधीक्षक अमिता दुबे, प्रशिक्षु जेल अधीक्षक अमन कुमार सिंह, जेलर शैलेन्द्र प्रताप सिंह, चिकित्साधीक्षक डॉ.अब्दुल हक समेंत अन्य मौजूद थे।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा ने विकास खंड सोरांव में कार्यभार ग्रहण किया

सोरांव। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी सुमन मिश्रा ने विकास खंड सोरांव में कार्यभार ग्रहण किया।खंड शिक्षा अधिकारी ने कार्यभार ग्रहण के तुरंत बाद पटल सहायकों, ए आर पी के साथ बी आर सी के कार्यो व अकादमिक कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी को मनोयोग से निपुण ब्लॉक बनाने के लिए कार्य करने हेतु सुझाव देते हुए अपना पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता जाहिर की। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी को कार्यभार ग्रहण करने पर ए आर पी शशिकांत मिश्र, पंकज कुमार त्रिपाठी व कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा बधाई दी गयी। प्राथमिक शिक्षक संघ व जूनियर शिक्षक संघ के पदाधिकारियों में धर्मेंद्र नारायण त्रिपाठी, सी बी सिंह, शेखर सरन रॉय, धर्मराज यादव, अरविन्द सिंह, सौरभ त्रिपाठी, पारसनाथ यादव, सतीश, के के सिंह सुशील शर्मा, योगेन्द्र पांडेय मो सैफ, विजय गुप्ता, मंजू त्रिपाठी, पूनम वर्मा, अनीता, सुनीता सिंह आदि शिक्षकों ने भी बीईओ से मिलकर अपनी बधाई दी।

नगर आयुक्त व अपर नगर आयुक्त ने जनता की सुनी समस्याएं

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा तथा अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र यादव द्वारा मंगलवार को जन सुनवाई करते हुए नगर निगम में आये हुए फरियादियों की शिकायतों को सुना गया, जिसमें कुल 42 शिकायतें प्राप्त हुई। जनशिकायतों के अविलम्ब गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकरियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, और यह भी निर्देशित किया गया कि गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय।ह्यसम्भवह्य जन सुनवाई बैठक के दौरान अपर नगर आयुक्त अम्बरीश बिन्द, दीपेन्द्र यादव तथा अरविन्द राय, उप नगर आयुक्त अनुपम शुक्ला, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा0 अभिषेक सिंह, पशुधन अधिकारी डा0 विजय अमृत राज तथा मुख्य अभियन्ता विद्युत संजय कटियार, मुख्य अभियन्ता सतीश कुमार, जलकल महाप्रबंधक गौरव कुमार, लेखाधिकारी अक्षय कुमार समस्त जोनल अधिकारी, अधिशाषी अभियन्ता निर्माण तथा विद्युत, सचिव नगर आयुक्त तथा नगर निगम के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

अंडरवर्ल्ड डॉन बबलू श्रीवास्तव पर फैसला टला, अब सुनवाई 5 जुलाई को

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बहुचर्चित सराफा कारोबारी पंकज महिंद्रा अपहरण कांड में आज फैसला टल गया। इस अपहरण कांड में अंडरवर्ल्ड माफिया डॉन बबलू श्रीवास्तव समेत 10 आरोपी हैं। जिला अदालत ने कारोबारी अपहरण कांड में फैसला सुनाने के लिए डॉन बबलू श्रीवास्तव उर्फ ओम प्रकाश श्रीवास्तव समेत 10 आरोपियों को दो जुलाई को पेश होने का आदेश दिया था। आज कोर्ट ने फैसले की अगली डेट 5 जुलाई तय की है।सुरक्षा कारणों से डॉन बबलू श्रीवास्तव की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई। नौ आरोपी कोर्ट में मौजूद रहे। डॉन बबलू श्रीवास्तव बरेली जेल में है। अपहरण कांड की सुनवाई जिला न्यायालय इलाहाबाद में गैंगस्टर एक्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया की अदालत में हो रही है।

2015 में अगवा हुए थे पंकज महिंद्रा : 5 सितंबर 2015 की रात शहर कोतवाली इलाके के रहने वाले बड़े सराफा कारोबारी पंकज महिंद्रा अपनी आभूषण दुकान बंद कर कार से घर के लिए निकले थे। असलहाधारी बदमाशों ने उन्हें कार समेत अगवा कर लिया था। बाद में पंकज महिंद्रा की कार संगम स्थित बंधवा में लेटे हनुमान मंदिर के पास लावारिस मिली थी। फिर कारोबारी को छोड़ने के एवज में अपहताओं ने 10 करोड़ रुपए मांगे थे।मामले में एसटीएफ को लगाया गया था। टीमों ने फतेहपुर जिले के असोथर थाने के सरकंडी गांव में विनीत परिहार के फार्म हाउस में घेराबंदी कर छापेमारी की थी। पंकज महिंद्रा वहां बंधे हुए मिले थे। पुलिस टीमों ने मौके से माफिया डॉन बबलू श्रीवास्तव के भांजे विकल्प श्रीवास्तव उर्फ गोलू, गोरखपुर निवासी महेंद्र यादव, सच्चिदानंद यादव उर्फ सचिता, बरेठी थाना थरवई निवासी चंद्र मोहन उर्फ बबलू यादव को गिरफ्तार किया था। इनके पास से नौ एमएम व 32 बोर की दो पिस्टल, 315 बोर का तमंचा, अल्टो कार, लैपटॉप, मोबाइल, फर्जी सिम कार्ड बरामद हुए थे। पूछताछ में साफ हुआ था कि अपहरण कांड बबलू श्रीवास्तव ने कराया था।

बरेली से प्रयागराज लाया गया था बबलू श्रीवास्तव : इस अपहरण कांड में 30 सितंबर 2023 को अभियोजन की गवाही पूरी हो गई थी। अभियोजन की ओर से 21 गवाहों को पेश किया गया था। इसके बाद 16 अक्तूबर 2023 को बबलू श्रीवास्तव बरेली सेंट्रल जेल से अदालत में पेश होने के लिए पहली बार प्रयागराज लाया गया था। अदालत में पेश माफिया समेत 10 सह अभियुक्तों ने 313 उफ्ढउ का बयान दर्ज करवाया था। अपने बयान में बबलू श्रीवास्तव समेत सभी मुल्जिमों ने खुद को बेगुनाह बताया था।

डॉन ने कहा उसे जान का खतरा : बरेली जेल में बंद बबलू श्रीवास्तव उर्फ ओम प्रकाश ने अपनी जान का खतरा पहले ही जता रखा है। उसने कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी की अपील की है। बबलू श्रीवास्तव ने पहले भी अपने वकीलों के जरिए बरेली जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी की गुहार लगाई थी। बबलू ने कोर्ट से जेल अधीक्षक और अपने वकील के जरिए कहा है कि बरेली से प्रयागराज तक के लंबे सफर में उसकी जान को खतरा हो सकता है।

जिला अभियोजन अधिकारी अजय गुप्ता को सम्मानित किया गया

प्रयागराज। जिला अभियोजन अधिकारी अजय गुप्ता को सम्मानित करने के लिए हलवाई समाज से सरकारी सेवा में कार्यरत शिक्षक कर्मचारी एवं अधिकारियों की आवश्यक बैठक कचहरी प्रयागराज में आहूत की गई जिला अभीयोजन अधिकारी अजय गुप्ता ने हलवाई समाज के राजनीतिक पहलू पर चर्चा करते हुए बताया कि हम राजनीतिक रूप से काफी पिछड़े हुए हैं और हमें एकजुट होने की आवश्यकता है ताकि हमारा कोई जनप्रतिनिधि विधानसभा अथवा संसद में हमारा प्रतिनिधित्व कर सके बैठक में मौजूद माध्यमिक शिक्षक आशीष कुमार गुप्ता ने हलवाई समाज को एकजुट करने पर जोर दिया और कहा कि हमें हर महीने ऐसी ही बैठके आहूत किया जाना चाहिए ताकि हम एक दूसरे से परिचित हो सके। वातालर्ाप के क्रम में बोर्ड ऑफिस में कार्यरत अजय कुमार मोदनवाल को जब हलवाई समाज से सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों की इतनी बड़ी संख्या की जानकारी हुई तो वह आश्चर्यचकित रह गए और अपने स्तर पर हर तरह के योगदान देने के लिए तैयार हो गए। प्राथमिक हेडमास्टर रामबाबू मोदनवाल ने समाज में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान करने पर जोर दिया।

भाजयुमो ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

संसद में दिये गये बयान पर मांगी मांगे राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस एवम रायबरेली से सांसद राहुल गांधी का पुतला दहन अंबेडकर चैराहे पर युवा मोर्चा द्वारा किया गया। भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंशुमान सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में बयान दिया कि जो लोग अपने आप को हिन्दू कहते हैं, 24 घण्टे हिंसा, नफरत, असत्य कहते हैं। ऐसे बयान से हिंदू समाज बेहद आहत व आक्रोशित हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यह सोच हिंदुओं के प्रति घृणात्मक है। राहुल गांधी इसके लिए पूरे देश के हिंदुओं से माफी मांगे। राहुल गांधी का चेहरा बेनकाब हो गया। चुनाव खत्म होते ही राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा उजागर हो गया। इस कार्यक्रम पूर्व जिला महामंत्री भाजपा अजय सिंह, जिला महामंत्री सुजीत पाण्डेय, नीतीश श्रीवास्तव, शैलेश मिश्र, प्रदीप सिंह, अविनाश सिंह चन्दन, विकल पाण्डेय, रोहित सिंह, राहुल मौर्य, प्रदुमन्न, धीरज, संगम तिवारी, प्रमोद तिवारी, अभिषेक, शुभम पाण्डेय, चंद्र प्रताप सिंह, मनीष पांडेय, अमित सिंह, महेश पटेल, देव, पूर्व महामंत्री भाजपा अजय सिंह एवम अन्य युवा साथी मौजूद रहे।

राहुल गांधी का पुतला फूंकते भाजयुमो कार्यकर्ता।

ट्राली की चपेट में आने से युवती घायल, रेफर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। ट्रैक्टरे ट्राली से दबकर युवती गंभीर रूप से घायल हो गयी। प्रारम्भिक उपचार के बाद गंभीर दशा में उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के सिताली का पुरवा गांव निवासी अजय कुमार विश्वकर्मा की पुत्री शीलू विश्वकर्मा 18 मंगलवार को गांव में सड़क के किनारे बच्चों के साथ खेल रही थी। इस बीच रोड से टैड्ढक्टर ट्राली गुजरी कि किसी बच्चे के द्वारा धक्का लग जाने से शीलू टैड्ढक्टर ट्राली के नीचे चली गयी। ट्राली का पहिया युवती के कमर को रौंदता निकल गया। गंभीर रूप से घायल युवती को परिजन इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी ले गये। यहां प्रारंभिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

रंजिशन युवक को पीट कर किया घायल, गंभीर हालत में रेफर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रंजिशन पड़ोसियों ने युवक पर लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से घर मे घुस कर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सीएचसी कोहंडौर ले जाया गया। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। जिले के सिकरी कानूपुर निवासी मौसम पुत्र हदीश ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है कि उसका बेटा सलमान बारात गया हुआ था। बारात में गांव के ही कुछ लोगों से विवाद हो गया था। जिसके बाद शाम करीब 6 बजे जब घर पहुंचा तो पड़ोसी लाठी डंडा सरिया लेकर उसपर हमला बोल दिए। उसे बुरी तरह से पीट कर लहूलुहान कर दिया। जान बचाकर वह घर में भाग तो घर में घुसकर जान से मारने की नीयत से सर पर कई प्रहार किया जिससे उसका सर फट गया और वह बेहोश हो गया। बीच बचाव को पहुंची उसकी पत्नी शब्बो पिता मौसम वा मां गुदमा को भी मारा पीटा गया। पुलिस ने चारों घायलों का मेडिकल कराकर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज किया है। गंभीर रूप से घायल सलमान का इलाज जिला मेडिकल कॉलेज में चल रहा है ।

अपहरण के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नवागत पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी दुर्गेश कुमार सिंह एवं सीओ सिटी शिवनारायण के निर्देशन में अंतू पुलिस ने अपहरण के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त को दौड़कर गिरफ्तार किया। अंतू प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक क्राइम विनोद कुमार यादव अपनी पुलिस टीम के साथ वांछित वारंण्टी अभियुक्त की तलाश में क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। उसी दौरान थानेदार को मुखबिर विशेष द्वारा सूचना मिली कि अपहरण के मामले में फरार चल रहे अभियुक्त थाना क्षेत्र के कोलबजरडीह सीताराम तिवारी का पुरवा के पास खड़ा हुआ है। तत्काल पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए उसे दौड़ाकर धर दबोचा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त का नाम आदर्श सिंह पुत्र संतोष सिंह बताया जा रहा है।

लकड़ी के कारखाने में चोरी, दी गई तहरीर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लकड़ी के कारखाने से आरोपियो द्वारा वेशकीमती खिड़की दरवाजा तथा चीरी हुई लकड़ी के चोरी किये जाने को लेकर पीडित ने लीलापुर पुलिस को तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के सिंधौर निवासी मुकुन्द वर्मा पुत्र रामखेलावन ने मंगलवार को पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पहली जुलाई को वह रात करीब साढ़े आठ बजे घर जा रहा था तो देखा कि उसके कारखाने पर कुछ संदिग्ध लोग लाठी लेकर बैठे थे। पीड़ित का कहना है कि उसके गांव से लकड़ी का कारखाना तीन किलोमीटर दूर है। अगली सुबह जब वह कारखाने पर पहुंचा तो वहां से तीन दरवाजा, दस खिड़की, पांच गेट व चीरी हुई लकड़ी गायब मिली। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कारखाने से हजारों की कीमती लकड़ी के चोरी किये जाने को लेकर तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र सिंह का कहना है कि घटना की जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

युवाओं में बढ़ रही है कबड्डी खेल की लोकप्रियता: राजा अनिल

भाजपा नेता ने कबड्डी के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला कबड्डी एसोसिएशन का वार्षिक सम्मान समारोह सोमवार को पीबी इण्टर कालेज सिटी में आयोजित किया गया, जिसमें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह ने कहा कि कबड्डी मिट्टी से मैट पर आ गई है। इसकी लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ रही है। प्रतापगढ़ हमेशा से खेल प्रतिभाओं से भरा रहा है। मेरी शुभकामनाएं है कि यह परम्परा अनवरत बनी रहनी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने वाली कबड्डी खिलाड़ी प्रिस प्रजापति एवं राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विशिष्ट आतिथि क्रीड़ाधिकारी पूनम लता राज,भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह ने समारोह को सम्बोधित किया। संयोजक प्रधानाचार्य डा.अनूप सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष कुंवर वीरेंद्र सिंह व संचालन सचिव डा.धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान कौशलेंद्र प्रताप सिंह, लालमणि सिंह, उमेश प्रताप सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, रामेंद्र प्रताप सिंह, कर्मराज सिंह, पुष्पा सिंह, रवि प्रकाश सिंह, विद्या सागर सिंह, शैलेश प्रताप सिंह, गोविंद सिंह आदि मौजूद रहे।

खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह।

कपड़े की दुकान में चोरी, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के रामपुर बावली चैराहे पर स्थित कपड़े की दुकान में सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने कीमती सामानों पर हाथ साफ कर दिया। पूरे भासो गांव के शम्भू यादव ने रामपुर चैराहे पर कपड़े की दुकान खोल रखी है। सोमवार की शाम वह दुकान बंद कर घर चला गया। मंगलवार की सुबह दुकान पर पहुंचा तो चोरी देख आवाक रह गया। पीड़ित ने घटना को लेकर पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि घटना की जांच करायी जा रही है। शीघ्र खुलासा किया जाएगा।

कभी न खुलने की दास्तां को बयां करते आंगनबाड़ी केंद्र

केंद्रों पर फैली गंदगी मासूमों के जीवन पर खतरा, सुपरवाइजर के निरीक्षण पर लगा प्रश्न चिन्ह

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों को देखने से यही लगता है कि जैसे इनका दरवाजा कभी खुलता ही नहीं है। केंद्र पर फैली गंदगी मासूमों के जीवन पर खतरा बनकर मंडरा रही है।केंद्रों पर हो रही लापरवाही सुपरवाइजर के निरीक्षण पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहे हैं।

स्थानीय विकास खंड में स्थित कुछ आंगनबाड़ी केंद्र पर मनमानी इस कदर है कि उन्हें देखने के बाद विभाग भले ही न शर्मसार होता हो,लेकिन क्षेत्रीय लोग जरूर शर्मसार हो जाते है। अर्जुनपुर आंगनबाड़ी केंद्र पर सुबह 8:43 तक ताला बंद मिला। अर्जुनपुर के देवापुर केंद्र पर 8:46 व कौशिल्यापुर के चकवा आंगनबाड़ी केंद्र पर 9:09 बजे तक दरवाजे पर ताला लटकता रहा। ताला बंद की बात तो दूर की है केंद्रों की स्थिति देखने से यही लग रहा था कि जैसे यह कभी खुलते ही नही है। अर्जुनपुर व चकवा केंद्र पर बने शौचालय का दरवाजा ही गायब था। देवापुर (अर्जुनपुर) व चकवा केंद्रों पर जैसे न तो कभी पुताई हुई है और न ही केंद्र का नाम लिखवाया गया है। किसी केंद्र के पास पानी भरा हुआ है तो कहीं रिक्शा खड़ा हुआ मिला। केंद्रों पर फैली गंदगी देख कर हर कोई व्यक्ति मुंह मोड़ लेता है। केंद्रों की जो दशा दिखाई दे रही है उसकी जिम्मेदार कहीं न कहीं से क्षेत्रीय सुपरवाइजर दिखाई दे रही है। सुपरवाइजर के निरीक्षण पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा होता दिखाई दे रहा है। केंद्रों की दशा यही बता रही है कि सुपरवाइजर केन्द्रो पर कभी जाती नही है, यदि जाती है तो वह भी कार्यकत्री की मनमानी में पूरा सहभागिता निभा रही है। इस संबंध में सीडीपीओ ने बताया की सुपरवाइजर को भेजकर जांच कराते हैं।

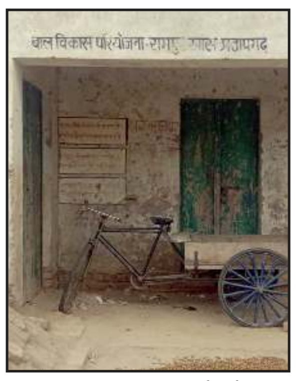
ग्राम पंचायत अर्जुनपुर के देवापुर का आंगनबाड़ी केंद्र।

चोरी की दो मोटर साइकिल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक डॉ अनिल कुमार द्वारा आपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) दुर्गेश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर शिव नारायण वैश के पर्यवेक्षण व थाना प्रभारी नगर के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर के उ0नि0 सतीश कुमार यादव मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग के दौरान, थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने चैकी सिविल लाइन क्षेत्रान्तर्गत चाँदमारी चैराहा के पास एक अभियुक्त रामप्रकाश वर्मा उर्फ मुन्ना पुत्र भगेलू वर्मा निवासी चकवनतोड़ थाना कोतवाली नगर, जनपद प्रतापगढ़ को चोरी की दो अदद मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया।

जिला सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को दी गई विदाई

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला सहकारी बैंक लि. प्रतापगढ़ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के जनपद बुलंदशहर ट्रांसफर होने पर बैंक मुख्यालय पर सम्मान समारोह किया गया। राजेन्द्र प्रताप सिंह संचालक ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी के कार्यों की सराहना किए। इनके कार्यकाल में बैंक 31 मार्च 2024 को एक करोड़ आठ लाख रुपये के लाभ पर रही। वसूली के लिए टीम बनाकर एनपीए में कमी लायी गयी। बता दें कि नये मुख्य कार्यपालक अधिकारी नंद किशोर का ट्रांसफर अलीगढ़ से प्रतापगढ़ हुआ है। इस अवसर पर लक्ष्मी सुमन निगम उप महाप्रबंधक, के. पी. सिंह पूर्व वरिष्ठ शाखा प्रबंधक, गौरव सिंह अनुभाग अधिकारी प्रशासन, आलोक कुशवाहा अनुभाग अधिकारी लेखा, उत्सव सक्सेना अनुभाग अधिकारी विकास, अमित आदित्य शाखा प्रबंधक सदर, विनय सिंह शाखा प्रबंधक लालगंज, उदय सिंह यादव, अजय सोनी, सौरभ, मोहम्मद शरीफ राजकुमार गौड़, पन्ना लाल गौड़, पवन पाठक, दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

कार्यपालक अधिकारी को सम्मानित करते साथीगण।

एमडीपीजी कालेज में हुआ वृक्षारोपण

एमडीपीजी कालेज में वृक्षारोपण करते अतिथिगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत एमडीपीजी कॉलेज परिसर में वन महोत्सव सप्ताह के प्रथम दिन आज वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया गया। उक्त कार्यक्रम में एमडीपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अरविंद मिश्र ने कहा कि वृक्षारोपण हमारे जीवन के लिये बहुत आवश्यक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से वृक्ष लगाने की अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिये यह वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है। इस मौके पर प्रो पी के सिंह, डॉ अरविंद मोहन ओझा, डॉ डीके पांडे, एसबीआई प्रतापगढ़ के क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश कुमार पांडे, मुख्य प्रबंधक अविनाश सिन्हा, गुंजन कुमार, सुलभ यादव, मनोज सिंह, विजय पांडे आदि उपस्थित रहे।

नये छात्रों का प्रधानाचार्य ने किया स्वागत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। स्थानीय विद्यालय रामराज इंटरमीडिएट कॉलेज में विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र मिश्र ने विद्यालय में नूतन प्रवेश लिए छात्र-छात्राओं को रोली चंदन लगाकर किया स्वागत अपने संबोधन में प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय में पठन-पाठन संस्कार युक्त शिक्षा एवं अनुशासन कायम रखना हमारा लक्ष्य होगा। कार्यक्रम में प्रकाश दत्त मिश्र सतीश पाण्डेय रमेश तिवारी राजेश दुबे राकेश मिश्र अरूण कुमार मिश्र देवीप्रसाद तिवारी जयप्रकाश मिश्रा संजय तिवारी वेद प्रकाश उपाध्याय प्रशस्ततिवारी सिद्धेश शुक्ला वरुण कुमार पटेल प्रमोद दुबे अरूण तिवारी नीलाभ मिश्र अवलेश कुमार उमापतिपाल इंद्र केश सिंह सिद्धेश शुक्ला जगन्नाथ यादव प्रफुल्ल रावत संदीप पांडे हरिश्चंद्र मिश्र साधुराम यादव प्रमेश पाण्डेय पद्मनाभम दूबे, शेषमणि पाण्डेय, जितेंद्र मिश्र लालमनि मिश्र उग्रसेन यादव उमाकांत तिवारी, विनोद मिश्र प्रदीप पांडे अमित बरनवाल बलवंत सिंह आशुतोष शिवम धुरिया कमलेश मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

आवामी समता पार्टी के जिला अध्यक्ष का हुआ स्वागत

परियावां, प्रतापगढ़। विकास खंड रामपुर संग्रामगढ़ के महासिन पुर गांव में सोमवार को समता पार्टी की एक बैठक संपन्न हुई जिसमें पार्टी के पदाधिकारी राजू सरोज को नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी दी गई कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बुद्धि राम सरोज ने कहा कि अब समता पार्टी में और धार आएगी प्रदेश अध्यक्ष राम लखन पासी ने कहा कि पार्टी में नवयुवकों को पार्टी की जिम्मेदारी सौंप देना चाहिए राष्ट्रीय अध्यक्ष कामता प्रसाद सरोज ने आए हुए सभी पदाधिकारी का अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन वीरू पासी ने किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राम लखन राष्ट्रीय महासचिव महेंद्र कुमार रावत, रिंकू सरोज, गंगा राम सरोज, एडवोकेट रोहित पासी, जगन्नाथ पासी, प्रमोद पासी, राम सिंह सरोज, दिलीप सरोज, व स्वामीनाथ सरोज आदि लोग मौजूद रहे।

सेवा के हर क्षेत्र मे लायंस क्लब की सहभागिता: सीएमओ

लायंस क्लब हर्ष, शक्ति और अवध ने मनाया चिकित्सक सम्मान दिवस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लायंस क्लब हर्ष, शक्ति तथा अवध के संयुक्त तत्वावधान में सीएमओ कार्यालय के सभागार में डॉक्टर्स डे का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. जी. एम. शुक्ला ने लायंस क्लब के सेवा कार्य को सराहते हुए कहा कि लायंस क्लब हर्ष, शक्ति तथा अवध ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डा.विधान चंद्र राय के जन्म दिवस पर डाक्टर्स डे का आयोजन कर पुनीत कार्य किया है।

कार्यक्रम का संचालन लायंस क्लब हर्ष के अध्यक्ष संतोष भगवन ने किया। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब एक इंटरनेशनल संस्था है। आज चिकित्सा दिवस पर 15 से अधिक चिकित्सकों को अंग वस्त्र माला पहनकर एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.जी एम शुक्ला, ए.सी. एम. ओ. डा. ए. एन. राय, डिप्टी सी.एम.ओ. डा. राजेश कुमार,डा. शकील हैदर,पूर्व सीएमएस डा. पी. पी.पांडे, डाक्टर आर. डी. द्विवेदी, डॉ विवेक त्रिपाठी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सचिन कुमार, राज शेखर जिला कार्यक्रम अधिकारी, डाक्टर एस एस गुप्ता, डा. अवंतिका पांडे, डा. शशि प्रभा गुप्ता, डा. कामायनी उपाध्याय, वंदना जायसवाल, डॉक्टर सुष्मिता, डॉक्टर अंजली डॉ संदीप सक्सैना,डॉ आजाद शामिल रहे। इस अवसर पर लायंस क्लब हर्ष के प्रशासक लायन के. बी. सिंह, अध्यक्ष संतोष भगवन ,सचिव डॉ क्षितिज श्रीवास्तव,कोषाध्यक्ष आर. बी. सिंह, लायन अरविंद सिंह और राजेश बहादुर पाल लायंस क्लब शक्ति की अध्यक्ष प्रमिला शुक्ला, सचिव डॉ अवंतिका पांडे, निदेशक अनीता पांडे,कोषाध्यक्ष मनप्रीत कौर,उपाध्यक्ष पिंकी दयाल लायंस क्लब अवध के अध्यक्ष संतोष पांडे, अनिल प्रताप त्रिपाठी,उमाकांत ओझा, राम कुमार पांडे, राजेंद्र शुक्ला, पंकज शुक्ला, नीलेश मिश्रा, डा ए.के.सिंह, विनय शर्मा, उदय मिश्र आदि लोगो के सहयोग से चिकित्सा दिवस का सफल आयोजन हुआ।

चिकित्सक सम्मान दिवस पर मौजूद अतिथिगण।

करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कंधई थाना अंतर्गत ताला गांव में निशा देवी पत्नी ओमप्रकाश मौर्य उम्र (55) वर्ष की सुबह करंट की चपेट में आने से मौत हो गई।बताते चलें कि सुबह निशा देवी टहलने के लिए निकली हुई थी। खेतों को जानवरों से बचाने के लिए तारों का बाड़ लगाया गया था और उसमें करंट भी दौड़ रहा था। दो दिन से हो रही बारिश की वजह से करंट जमीन में उतर गया जिससे करंट की चपेट में आने से महिला की मौत हो गई। निशा देवी के दो बेटी और एक बेटा है। इस दुख भरी घटना में ओमप्रकाश के घर ढांढस देने वालों का तांता लगा हुआ है। घटना की सूचना पर ताला चैकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हत्या के प्रयास व मारपीट करने में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना महेशगंज के उ0नि0 जयकिशुन यादव, उ0नि0 शिवपाल सिंह मय हमराह का0 प्रिंस सेन, का0 वीरपाल सिंह द्वारा तलाश वांछित, वारण्टी अभियुक्त दौरान, मुखबिर की सूचना पर दो वांछित अभियुक्त, संतराम सरोज पुत्र सुत्ती सरोज व आशीष सरोज पुत्र संतराम सरोज निवासीगण माधी चैनगढ़ थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़ को थानाक्षेत्र महेशगंज के हीरागंज कुण्डा रोड़ पर ऐधा मोड़ के पास गिरफ्तार किया गया।

समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ ने किया वृक्षारोपण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार एक जुलाई से 7 जुलाई तक हरित चेतना के लिए पेड़ पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण किया जाना है। इसी क्रम में मंगलवार को समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ की अगुवाई में रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर पौधारोपण कर मौजूद ग्राम वासियों से पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण की अपील की। जगह-जगह पौधारोपण कार्यक्रम आम जनमानस के लिए पार्यावरिक-सामाजिक सुखद परिणाम होंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मनीष पाल, अनिल कुमार मौर्य, महासचिव विशाल मौर्या, रानीगंज विधानसभा अध्यक्ष उत्तम सिंह यादव, नगर अध्यक्ष अब्दुल अजीम, ब्लाक अध्यक्ष विनोद यादव, रमेश सरोज, सोहित गौतम, पंकज यादव, राजकुमारी देवी, फूलकली देवी सहित अन्य ग्रामवासी एवं नेतागण उपस्थित रहे।

राज्यपाल का आदेश ठेंगे पर जबरन बने रहेंगे मुख्य चिकित्सा अधिकारी हटाएगा कौन!

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जनपद में तैनात मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुष्पेन्द्र कुमार की तानाशाही जग जाहिर है पूरी ड्यूटी के दौरान उन्होंने शासन प्रशासन मुख्यमंत्री का आदेश ठेंगे पर रखा है अवैध तरीकों से अस्पतालों का संचालन होता है इलाज में मरीजों की मौत होती रही अस्पताल सीज करके फिर सीज ताला तोड़कर अस्पताल का संचालन होता रहा नियम कायदे कानून की धज्जियां इनके कार्यकाल में खूब जमकर उड़ती रही और रिटायरमेंट की सीमा पूरी होने के बाद यह जबरन कुर्सी नहीं छोड़ना चाहते है हिंदुस्तान में इससे बड़ा तानाशाह कहां देखने को मिलेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी सुष्पेन्द्र कुमार के 62 वर्ष की उम्र पूरी करने के बाद रिटायरमेंट होने के बाद भी राज्यपाल का आदेश उनके ठेंगे पर है राज्यपाल द्वारा जारी किया गया अधिसूचना के मुताबिक 62 वर्ष की उम्र पार करने के बाद प्रशासनिक पद पर कोई चिकित्सक नहीं रह सकता है 30 जून को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुष्पेंद्र कुमार अपनी 62 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं लेकिन उन्होंने 30 जून को सेवानिवृत्ति नहीं लिया है

योगी सरकार के मंत्री भी तानाशाह सीएमओ के कारनामों पर अंकुश लगाने में विफल दिखाई पड़ रहे हैं

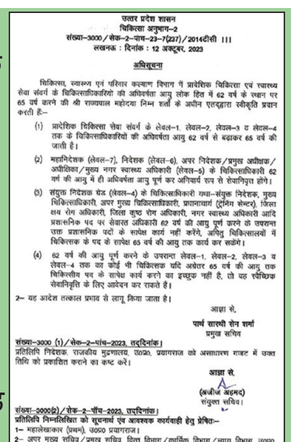
उत्तर प्रदेश शासन
चिकित्सा अनुभाग-2
संख्या-3000/सेक-2-पांच-23-7(237)/2014टीसी III
लखनऊ : दिनांक : 12 अक्टूबर, 2023

अधिसूचना

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के चिकित्साधिकारियों की अधिवर्षता आयु लोक हित में 62 वर्ष के स्थान पर 65 वर्ष करने की श्री राज्यपाल महोदया निम्न शर्तों के अधीन एतद्द्वारा स्वीकृति प्रदान करती हैं:-

(1) प्रादेशिक चिकित्सा सेवा संवर्ग के लेवल-1, लेवल-2, लेवल-3 व लेवल-4 तक के चिकित्साधिकारियों की अधिवर्षता आयु 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष की जाती है।

(2) महानिदेशक (लेवल-7), निदेशक (लेवल-6), अपर निदेशक/प्रमुख अधीक्षक/अधीक्षिका/मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी (लेवल-5) के चिकित्साधिकारी 62 वर्ष की आयु में ही अधिवर्षता आयु पूर्ण कर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त होंगे।

(3) संयुक्त निदेशक ग्रेड (लेवल-4) के चिकित्साधिकारी यथा-संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रधानाचार्य (ट्रेनिंग सेन्टर), जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला कुष्ठ रोग अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी आदि प्रशासनिक पद पर सेवारत अधिकारी 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरान्त उक्त प्रशासनिक पदों के सापेक्ष कार्य नहीं करेंगे, अपितु चिकित्सालयों में चिकित्सक के पद के सापेक्ष 65 वर्ष की आयु तक कार्य कर सकेंगे।

(4) 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने के उपरान्त लेवल-1, लेवल-2, लेवल-3 व लेवल-4 तक का कोई भी चिकित्सक यदि अग्रेतर 65 वर्ष की आयु तक चिकित्सीय पद के सापेक्ष कार्य करने का इच्छुक नहीं है, तो वह स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं।

2- यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया जाता है।

आज्ञा से,
पार्थ सारथी सेन शर्मा
प्रमुख सचिव

संख्या-3000 (1)/सेक-2-पांच-2023, तद्दिनांक।
प्रतिलिपि निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उ0प्र0, प्रयागराज को असाधारण गजट में उक्त तिथि को प्रकाशित कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,
(अजीज अहमद)
संयुक्त सचिव।

संख्या-3000(2)/सेक-2-पांच-2023, तद्दिनांक।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1- महालेखाकार (प्रथम), उ0प्र0 प्रयागराज।
2- अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव, वित्त विभाग/कार्मिक विभाग/न्याय विभाग, उ0प्र0 शासन।
3- महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0प्र0, लखनऊ।
4- महानिदेशक, परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ।

बल्कि लगातार वह 1 जुलाई और 2 जुलाई को सीएमओ कार्यालय में बैठकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यों का संपादन कर रहे हैं जबकि राज्यपाल ने 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्य करने पर रोक लगाई है चिकित्सक के पद पर 65 वर्ष की उम्र तक यह कार्य कर सकते हैं लेकिन सुष्पेन्द्र कुमार मुख्य चिकित्सा अधिकारी की तानाशाही इस कदर है कि राज्यपाल का आदेश उनके ठेंगे पर है और राज्यपाल के आदेश का पालन दो दिन बीत जाने के बाद इनको शासन प्रशासन नहीं करा सका है उनका कहना है कि वह मुख्य चिकित्सा अधिकारी हैं और रहेंगे किसकी मजाल है कि उन्हें इस पद से हटा दे 01 जुलाई को कलेक्ट्रेट में आयोजित संचारी रोग अभियान की रैली में जिला अधिकारी के साथ हरी झंडी दिखाते मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुष्पेन्द्र कुमार देखे गए हैं फोटो वीडियो भी वायरल हुई है अब सवाल उठता है कि बेलगाम सीएमओ पर लगाम कौन लगाएगा योगी सरकार में लचर कानून व्यवस्था के चलते सीएमओ बेलगाम है और तानाशाही से वह मनमारी करने पर उतारू है योगी सरकार के मंत्री भी तानाशाह सीएमओ के कारनामों पर अंकुश लगाने में विफल दिखाई पड़ रहे हैं आखिर कैसे कानून का राज्य स्थापित होगा और कैसे बेलगाम सीएमओ पर कार्यवाही होगी सेवानिवृत्ति के बाद कुर्सी चिपको सीएमओ पर मुकदमा दर्ज करा कर गिरफ्तारी कराए जाने की आवाज बुलंद हुई है।

प्रेम प्रसंग में एक और आशिक की हत्या

अखंड भारत संदेश

मारपीट के बाद युवती के परिजनों ने सुलह समझौता करके एक लाख रुपए भी युवक से ले लिया था

कल्याणपुर कौशांबी। थाना कोखराज के चौकी टेडीमोड शहजादपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत अहिरारा के मजरा शिवपुर में अशर्फी सरोज उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्र संतलाल सरोज का गांव के पास के भट्ठे में काम कर रही एक युवती से प्रेम हो गया परिवार की नजर बचा कर चोरी चोरी दोनों अक्सर एक दूसरे से मिलते थे युवती के घर वालो को जब इस प्रेम लीला का पता चला तो उक्त व्यक्ति अशर्फी को पकड़ कर बलपूर्वक मारे पीटे ग्रामीणों की माने तो युवती के घर वालों ने सुलह समझौता करके एक लाख रुपए भी युवक से ले लिया था उसके बाद मंगलवार को भरवारी के पश्चिमी ओर भटपुरवा के पास रेलवे लाइन के पास अशरफी लाल की लाश मिली है सूचना पाकर मौके पर परिवार समेत गांव के लोगों की भीड़ लग गई मौके पर कोहराम मचा हुआ है मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पहुँची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पंचायत भवन का ताला तोड़ कर चोरों ने पार किया लाखों का सामान

सरकारी समान के चोरी की घटना में अपनो के शामिल होने से इनकार नहीं किया जा सकता

कल्याणपुर कौशांबी। थाना कोखराज के अंतर्गत चौकी टेडीमोड शहजादपुर के निधियावां ग्राम में ग्राम पंचायत भवन का ताला तोड़ कर रात्रि में चोरों ने कंप्यूटर,कुर्सी ,छत का पंखा इन्वर्टर,बैटरी आदि लाखों रुपए का सामान चोरी कर लिया है।मंगलवार की सुबह जब पंचायत सहायक पंचायत भवन की तरफ रोज की भांति गया तो देखा गेट का ताला खुला था अंदर जा कर देखा तो सारे कमरों का दरवाजा टूटा पड़ा था और अंदर का सारा सामान गायब था।पंचायत सहायक ने इसकी सूचना चौकी टेडीमोड को लिखित दिया गया है। पंचायत भवन में सरकारी समान के चोरी का यह मामला बेहद गंभीर है और किसी अपने के घटना में शामिल होने से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि जिस तरह से पंचायत भवन से संपूर्ण सामान ले जाया गया है बड़े इत्मीनान से ताला तोड़ा गया है समान ले जाने के लिए वाहनों का प्रयोग करना पड़ेगा इतना ही नहीं छत का पंखा भी खोल लिया गया जिसके लिए कोई बिजली मिस्त्री भी साथ में रहा होगा पंचायत भवन से लाखों का सामान चोरी करने वाले चोरों ने इतनी इत्मीनान से चोरी की है कि किसी को भनक नहीं लग सकी जबकि अधिकतर मामलों में चोर कीमती सामान ले जाते हैं और फालतू के पचड़े से बचने के लिए छोटे-छोटे सामान को छोड़कर चले जाते हैं लेकिन इस मामले में कीमती सामान के साथ छोटे-छोटे सामान भी चोर उठा ले गए हैं जिस तरह से घटना को अंजाम दिया गया है इससे यही एहसास होता है की घटना में वाहन चालक समेत आधा दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे होंगे किस वाहन से सामान ले जाया गया है यह बड़ी जांच का विषय है तमाम तरह के अनसुलझे सवाल के बाद मामले में संदेह उतपन्न हो रहा है।

तिल्हापुर मोड़ में सरकारी जमीन पर दबंग कर रहा कब्जा

कौशांबी। चायल तहसील क्षेत्र के तिल्हापुर मोड में सरकारी जमीन आराजी संख्या 285 पर दबंग कब्जा कर रहा है गांव के लोगों ने उप जिलाधिकारी चायल को शिकायती पत्र देकर बताया कि सरकारी जमीन पर रामबाबू जबरिया कब्जा कर रहा है शिकायत करने वालों को धमकी दे रहा है सरकारी जमीन कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग लोगों ने अधिकारियों से की है

कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य का कौशाम्बी आगमन

कौशाम्बी। कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह दिनांक 03 जुलाई 2024 को पूर्वान्ह 11 बजे जनपद कौशाम्बी पहुँचेंगे। तत्पश्चात सदस्य गिरधरपुर गढ़ी, सहकारी समिति अम्बाई बुजुर्ग दरियापुरजीता अलीपुरजीता एवं सैनी सहकारी समितियों का निरीक्षण करेंगे। सदस्य सायं 05 बजे मॉ शीतला अतिथि गृह,सयारा के लिए प्रस्थान करेंगे।

जल निकासी समस्या निवारण हेतु जेसीबी लेकर पहुंची अधिशासी अधिकारी

अझुवा कौशांबी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा वार्ड 9 इंदिरा नगर के मुराइन मुहल्ला में जल निकासी की वर्षों से बड़ी समस्या थी जिसका दैनिक समाचार पत्रों ने कई बार प्रकाशन कर नगर पंचायत अझुवा के जिम्मेदारों को संज्ञान दिलाया जिस पर अधिशासी अधिकारी अझुवा रश्मि सिंह ने राजस्व विभाग को अवगत कराया एसडीएम महेंद्र श्रीवास्तव ने आज मंगल वार को राजस्व टीम को मौके पर भेजा अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह और वार्ड वासियों की मौजूदगी में राजस्व टीम ने पैमाईश कर सीमांकन किया । गाटा संख्या 74 रकबा .115 हेक्टेयर जो राजस्व अभिलेख में चकरोड के खाते में दर्ज भूमि है उक्त भूमि खाली है एवम गाटा संख्या 75 रकबा .011 हेक्टेयर जो मौके पर पूर्व में नगर पंचायत द्वारा इंटर लाकिंग लगी है ।इन भूमि को जेसीबी से खुदवाकर नाला का रूप दिया जा रहा है। राजस्व कर्मियों ने बताया कि चक रोड मार्ग के आगे तालबी नंबर 30 क ख रकबा 0.308 है इसी तालाब में वार्ड के पानी का निकासन किया जायेगा ।वहीं अधिशासी

अधिकारी रश्मि सिंह ने बताया कि अभी कच्ची नाला खुदवाकर जलनिकासी की समस्या दूर की जाएगी इसके बाद प्रस्ताव भेजकर टेंडर करवाकर पक्का नाला का निर्माण कराया जायेगा वहीं मौके पर रहे कुछ किसानों ने बताया कि रास्ते में हमारी भूमिधरी जमीन पड़ती है जिसकी हदबंदी के लिए तहसील में आवेदन किया गया है ई ओ रश्मि सिंह ने बताया मौके पर जेसीबी से करीब 100 मीटर खुदाई हो गई है आगे जहां खुदाई होना है वह गीला है 3 जुलाई बुधवार को श्रमिकों द्वारा खुदाई करवाई जायेगी। इस अवसर पर कानूनगो मेवालाल, लेखपाल सुनील श्रीवास्तव, वरिष्ठ लेखालीपिक साकेत चंद्र श्रीवास्तव, अझुवा चौकी पुलिस, सभासद सुघर सिंह, सभासद रामबाबू मोदनवाल, सभासद मनोज त्रिपाठी, सभासद रमेश सहित नगर पंचायत के संभ्रांत नागरिक एवम वॉर्ड वासी मौजूद रहे।

मोहर्रम एवं कॉवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए डीएम एसपी ने की शान्ति समिति की बैठक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा उदयन सभागार में मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा को सौहार्दपूर्ण सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों एवं सम्भ्रान्त नागरिकों के साथ शान्ति समिति की बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी उप जिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से मोहर्रम पर्व को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराये जाने के लिए अब तक गई कार्यवाही यथा-थानावार पीस कमेटी की बैठक, जुलूस मार्ग का निरीक्षण एवं ड्यूटी लगाये जाने आदि की जानकारी प्राप्त की गई। उन्हांने सम्भ्रान्त नागरिकों से समस्याओं/ सुझावों को प्राप्त करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा को आपसी सौहार्द एवं भाईचारा के साथ मनाया जाय। सम्भ्रान्त नागरिकों ने कहा कि त्यौहार को शान्तिपूर्ण एवं आपसी सौहार्द के साथ मनाया जायेंगा तथा कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने दी जायेंगी। जिलाधिकारी ने मोहर्रम पर्व एवं कॉवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों का निरन्तर भ्रमण करते रहने के निर्देश देते हुए कहा कि कहीं पर भी कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल समाधान किया जाय। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों एवं जिला पंचायतराज अधिकारी को ताजिया जूलूस मार्गों की साफ-सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को बैठक में विद्युत से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों को निस्तारित करने के निर्देश दियें। उन्हांने मुख्य चिकित्साधिकारी को चिकित्सकों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दियें। उन्होंने कहा कि त्यौहार को आपस में मिलकर सौहार्दपूर्ण व शान्तिपूर्ण मनाने से त्यौहार का महत्व और बढ़ जाता है। पुलिस अधीक्षक ने सम्भ्रान्त नागरिकों से कहा कि त्यौहार को आपसी सौहार्द के साथ मनाया जाय। उन्होंने क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों से कहा कि ताजिया जूलूस मार्गों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाय तथा संभ्रान्त नागरिकों के निरन्तर संपर्क में रहें। पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दिया जाय। कॉवड़ यात्रा के दृष्टिगत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाय। उन्होंने संभ्रान्त नागरिकों से कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दिया जाय। सोशल मीडिया पर निगरानी रखी जा रहीं हैं। किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो तत्काल अधिकारियों को अवगत कराया जाय।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड एवं प्रबुद्ध सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुष्पेन्द्र कुमार, सभी उप जिलाधिकारीगण एवं क्षेत्राधिकारीगण सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सम्भ्रान्त नागरिकगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी से मिले पूर्व सैनिक कल्याण समित के सदस्य

कौशांबी। जिला मुख्यालय मंझनपुर कलेक्ट्रेट परिसर कार्यालय में पूर्व सैनिक कल्याण समित कौशांबी ने नवागत जिला अधिकारी मधुसूदन हुल्गी से शिष्टाचार मुलाकात किया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दशरथ लाल करवरिया ने किया समित के संस्थापक शारदा प्रसाद वर्मा ने समित के सभी पदाधिकार्यों का परिचय कराते हुए जिला अधिकारी को समित के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दिया और कहा समित को पूर्व सैनिकों के वेलफेयर हेतु संगठित किया गया है हर महीने सोल्जर बोर्ड के माध्यम से एक सैनिक बंधु की मीटिंग जिला अधिकारी लेते है जिसमे अगर किसी फौजी की कोई समस्या होती है तो उस मीटिंग में फौजी अपनी समस्या को जिला अधिकारी के सम्मुख पेश करता है जिसका निवारण समय समय पर होता रहता है जिला अधिकारी ने सभी पूर्व सैनिकों को भरोसा दिलाया की आप लोगो की समस्यायों का तत्परता से हल किया जाएगा और जैसे पहले मीटिंग होती थी वैसे होती रहेगी इस दौरान जिला अध्यक्ष दशरथ लाल करवरिया शारदा प्रसाद वर्मा इसरार अहमद राज मनपाल अश्वनी कुमार पांडे सुनील कुमार मिश्रा संजीव कुमार चौरसिया कृष्ण चंद गुप्ता राम यादव हरी प्रसाद पांडे अमर सिंह यादव नथन पाल राजेश कुमार यादव राम वचन पाल एवम अन्य दर्जनों पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

दंपति और परिजनों के सहमत से परिवार परामर्श केंद्र ने कराया समझौता

कौशाम्बी। परिवार परामर्श केंद्र में महिला अपराध शाखा प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह के सहयोग से व हेड कांस्टेबल राम बहादुर पाल व महिला हेड कांस्टेबल पूनम महिला कांस्टेबल कमला यादव व महिला कांस्टेबल नीतू के माध्यम से 8 फाइलों की काउंसलिंग किया गया जिसमें काउंसलिंग के दौरान 01 फाइलों में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति से सुलह समझौता किया गया । दोनों पक्षों की परिवार परामर्श केंद्र द्वारा पति-पत्नी को उनके जीवन की पारिवारिक कर्तव्य को बताते हुए समझाया गया। वह दोनों पति-पत्नी द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम दोनों अपनी खुद की सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पति-पत्नी को सुलह समझौता कराया गया । वह दोनों पक्षों द्वारा व्यक्त किया गया, कि अब हम दोनों एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों को सलाह दिया गया, कि अपने जीवन को पुनः शुभारंभ करिए। दोनों पति-पत्नी अपने जीवन की नई शुरूआत करिए।

महिला को आधी रात को बिस्तर पर बुलाने में असफल चौकी इंचार्ज ने महिला के पति और रिश्तेदार का पिछवाड़ा किया लाल

अखंड भारत संदेश

योगी राज में पुलिसिया आतंक की हद अब दोषी चौकी इंचार्ज को बचाने की कवायद शुरू

कौशाम्बी। जवान महिला को रास्ते में रोक कर आधी रात को कमरे में मिलने की बात करने वाले चौकी इंचार्ज की बात मानने से जब महिला ने इनकार कर दिया चौकी इंचार्ज के बुलाने पर महिला उनके कमरे में आधी रात को उनके बिस्तर पर नहीं पहुंची तो महिला के पति और उसके नंदोई को चौकी इंचार्ज बलपूर्वक चौकी पकड़ ले गयी और उस पर ब्रिटिश पीरियड के अत्याचार को याद दिलाते हुए दोनों के पिछवाड़े पर जमकर लाठियां बरसाई जिससे महिला के पति और नंदोई का पूरा पिछवाड़ा लाल हो गया पुलिसिया अत्याचार से दोनों कराहने लगे घटना को कई दिन बीत चुके हैं लेकिन महिला को आधी रात को बिस्तर पर बुलाने का प्रयास करने वाले चौकी इंचार्ज पर अभी तक आला अधिकारी ने कार्यवाही नहीं की है आखिर इससे बड़ी शर्मनाक क्या बात होगी कि रास्ते चलते महिलाओं से अश्लीलता और छेड़खानी करने के साथ उन्हें आधी रात को कमरे में बिस्तर पर बुलाने की बात करने वाले चौकी इंचार्ज के कारनामे से पूरी पुलिस वर्दी शर्मसार हो रही है लेकिन चौकी इंचार्ज के कारनामे को कई दिन बीत जाने के बाद मामला सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद अभी तक चौकी इंचार्ज को निलंबित नहीं किया गया उसकी गिरफ्तारी करना तो दूर की बात है एक तरफ योगी सरकार का कहना है कि महिलाओं के साथ अपराध करने वाले लोगों को कठोर दंड दिया जाए लेकिन महिलाओं से अपराध करने वाले जब खुद चौकी इंचार्ज है इन्हें कौन दंड देगा महिलाओं के साथ अश्लीलता करने वाले चौकी इंचार्ज को बचाने की कवायद तेजी से शुरू हो गई है दो लोगों का पिछवाड़ा लाल करने वाले चौकी इंचार्ज अब बचाव में मेडिकल रिपोर्ट और मानवाधिकार की बात करने लगे हैं चौकी इंचार्ज के थानेदार भी चौकी इंचार्ज के बचाव में बयान बाजी करने लगे हैं जबकि सोशल मीडिया में फोटो वीडियो वायरल होने के बाद दोनों व्यक्तियों का पिछवाड़ा लाठियों की पिटाई से पूरी तरह से लाल था इस बात की पुष्टि गांव के लोग भी कर रहे हैं लेकिन चौकी इंचार्ज को बचाने की कवायद बड़ी तेजी से शुरू है जिससे पूरी पुलिस व्यवस्था शर्मसार हो रही है।

न्यूज झरोखा

मुहर्रम के दृष्टिगत ताजियादारों एवं संभ्रांत व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग

महेवाघाट कौशाम्बी मोहर्रम के त्यौहार को लेकर पश्चिम शरीरा थाना में उपजिलाधिकारी मंझनपुर वा क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा ताजियादारों एवं संभ्रांत व्यक्तियों के साथ थाना परिसर में पीस कमेटी की मीटिंग की गई पीस कमेटी की मीटिंग के दौरान तजियादारो की समस्याओं को अधिकारियों द्वारा सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा त्योहार को शान्ति वा सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी।

मुहर्रम त्यौहार और कांवड़ यात्रा के सम्बन्ध में संभ्रांत लोगों के साथ कोखराज में बैठक

कोखराज कौशाम्बी कोखराज थाना में मुहर्रम त्यौहार व कांवड़ यात्रा को लेकर संभ्रांत लोगों की बैठक इंस्पेक्टर राकेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई इंस्पेक्टर ने लोगो से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की तथा प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों को लगाने कहा और त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने की अपील की बैठक में शामिल ग्राम प्रधानों व लोगो से उनकी समस्या जानी साथ ही किसी भी प्रकार के उपद्रव व अराजकता के विरूद्ध कठोर कार्यवाही का निर्देश दिया गया ताजियादारो को बताते हुए उन्होंने कहा कि ताजिया मानक के मुताबिक होनी चाहिए किसी भी प्रकार का फेर बदल नही किया जा सकता है, परंपरागत विगत वर्षो की भांति ही ताजिया जुलूस पुराने रास्ते से ही निकाला जाएगा, कोई नया बदलाव नहीं किया जाएगा। ताजिया की लम्बाई ऊंचाई की मानकों की भी चर्चा की गई जिसमे लम्बाई का मानक चार से पांच फीट व ऊंचाई सात फिट रखने को कहा गया। ताजियादारो ने पुलिस के सामने अपनी समस्याओं में गली गली गन्दगी की भी चर्चा किया जिसमें ग्राम प्रधान को सफाई की जिम्मेदारी दी गई विधुत तारो की समस्या के बारे जानकारी प्राप्त किया जिसमें तारों को ठीक कराया जाएगा इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने लोगो को हर सम्भव पुलिस प्रशासन द्वारा मदद का विश्वास दिया मौके पर चौकी प्रभारी शहजादपुर सिया कान्त, ग्राम प्रधान रंजीत पटेल,शिव लाल सरोज,रमेशचंद्र मौर्य, प्रधान प्रतिनिधि मो, आमिर आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

जिला अस्पताल का जिलाधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार की रात्रि 8:30 बजे जिला अस्पताल का आकस्मिक निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान स्टाफ नर्स ड्यूटी कक्ष,इमरजेंसी वार्ड, मेडिसिन कक्ष,सर्जिकल वार्ड, एमसीएच विंग तथा एस0एन0सी0यू0 वार्ड आदि का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने सी0एम0एस0 सुनील शुक्ला से सर्जिकल वार्ड में भर्ती मरीज, प्रतिदिन ओपीडी की संख्या तथा दवाओं की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करते हुए मरीज एडमिशन रजिस्टर तथा डिस्चार्ज रजिस्टर का अवलोकन किया। बताया गया कि सर्जिकल वार्ड में कुल 16 मरीज भर्ती है,जिसमें चार मरीज आज भर्ती हुए हैं। उन्होंने भर्ती मरीज/मरीज के परिजनों से वार्ता कर उपलब्ध हो रही चिकित्सीय सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया, जिस पर बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों की भी जानकारी प्राप्त किया। उन्होंने सीएमएस से कहा कि मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सीय सुविधाए उपलब्ध कराई जाए। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी में तैनात चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स उपस्थित पाए गए।

ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का डीएम ने किया निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक/आन्तरिक निरीक्षण किया।

सब्जी विक्रेता पर बरसाई लाठियां

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के तिल्हापुर मोड़ पेट्रोल टंकी के पास सब्जी बेच रहे प्रमेश कुमार पटेल पुत्र मोती लाल की दुकान में आम खरीदने के विवाद को लेकर सोमवार की शाम देवकीनंदन ने अपने बेटों वा अन्य लोगो के साथ सब्जी विक्रेता को जमकर लाठियो से पीटा था इस हमले में प्रवेश पटेल को गंभीर चोट लगी है दबंगों ने फिल्मी स्टाइल की तरह भीड़ भरे बाजार में सब्जी विक्रेता पर लाठियां बरसाई है जिससे इलाके के लोगों के अंदर दहशत एवं भय का वातावरण है दबंगों ने सब्जी विक्रेता को पीटने के साथ-साथ बाजार क्षेत्र में अपना आतंक कायम करने का प्रयास किया है लाठियों से घायल युवक को नजदीकी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है पीड़ित ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दी है लेकिन खबर लिखे जाने तक हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है हमले के बाद हमलावर फरार हो गए हैं जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

ट्रेन में सवार होने आई महिला से प्लेट फार्म में हुई चोरी

अझुवा कौशांबी सिराथू रेलवे स्टेशन से सफर करने वाली महिला के बैग से अज्ञात चोरों ने लाखों के विदेशी रूपया और देशी नकदी पार कर दिए हैं जिसकी शिकायत महिला ने जीआरपी चौकी प्रभारी से की है। कमरून निशा पत्नी जमील अहमद निवासी वार्ड नंबर 10 नगर पंचायत सिराथू के अनुसार चौरी चौरा ट्रेन से कानपुर जाने के लिए प्लेट फार्म पहुंची जहां पहले से घात लगाए उचक्को ने बैग से 5 हजार रियाल जो भारतीय करेंसी के अनुसार 1 लाख 10 हजार और भारतीय करेंसी 2 हजार निकाल लिया महिला ट्रेन में सफर के दौरान बैग की चेन खुली देखा तो बैग चेक किया बैग से सारा रूपया गायब था महिला खागा रेलवे स्टेशन से उतरकर बाया बस वापस सिराथू रेलवे स्टेशन पहुंचकर संभावित जगहों पर तलाश किया ।हताश होकर महिला ने जीआरपी चौकी प्रभारी सिराथू को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

दुकानदार को जान से मारने की साजिश रच रहे दबंग

कौशाम्बी पिपरी थाना क्षेत्र के औधन गांव मे 23 जून को दबंग हीरालाल सरोज दुकानदार के ना रहने पर छोटे लड़के से जबरियन सामान ले जाने लगा मना करने पर लड़के को मारपीट व गाली गलौज किया था जिसका आडियो पुलिस के पास मौजूद है और जाते जाते जान से मारने की धमकी भी दिया था जिस पर दुकानदार ने पिपरी पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया और पिपरी पुलिस ने 29 जून को दबंग हीरालाल को पकड़कर ले गई थी और 18 घंटे थाना मे रखने के बाद कोई कार्यवाही नही किया और छोंड़ दिया थाने से छूटने के बाद आरोपी हीरालाल व उसके परिवार सहित खुन्नस रखते हुए दुकानदार को जान से मारने का षड़यंत्र रच रहे हैं दुकानदार व उसके बीबी व बच्चे दहशत मे हैं और अगर दुकानदार व उसके बीबी बच्चों पर कोई जान माल का नुकसान होता है या कोई घटना घटित होती है तो उसके जिम्मेदार आरोपी हीरालाल वा उसके परिवार वाले होंगें।

संपादक की कलम से

कड़वी यादों की खो रही सीख

निश्चय ही स्वातंत्र्योत्तर भारत के लोकतान्त्रिक इतिहास के एक गलत और अंधेरे दौर के रूप में हमें 'इमरजेंसी' को याद रखना चाहिए, ताकि सदैव ध्यान रहे कि निरंकुश सत्ता प्रवृत्तियों को पहचानने और उनका मुकाबला करने में कभी चूक न हो, क्योंकि ऐसी चूक हमारे गणतंत्र का सत्व गंभीर और भीषण संकट में ला सकती है। निरंकुशता पर किसी दल या विचारधारा विशेष का एकाधिकार नहीं होता। भारत में जून महीने का अंतिम सप्ताह हमारे आधुनिक इतिहास के जिन पृष्ठों को फिर देखने और उलटने-पलटने का एक बेचैन अवसर बन कर आता है, उनमें से एक खास है 25 और 26 जून, 1975 की दरमियानी रात में आंतरिक आपातकाल लागू किया जाना और फिर लगभग 21 महीनों यानी पौने दो साल का उसका आजाद हिंदुस्तान में अभूतपूर्व कालखण्ड। वह दौर 'इमरजेंसी' के नाम से कुख्यात हुआ और इस शब्द की 'लोकप्रियता' के अनेक प्रमाणों में से एक यह है कि आजकल बेहद साफ तौर पर कलात्मकता या यथार्थ प्रतिबिंबित करने की तड़प से इतर खुलेआम एकांगी और मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठान के प्रति पक्षधर फिल्में राजनैतिक उद्देश्यों से बनाए जाने का जो सिलसिला चल रहा है, उसकी एक महत्वपूर्ण अगली कड़ी जो फिल्म है उसका नाम ही 'इमरजेंसी' है। जब वह आपातकाल देश पर थोपा गया था, तब मैं बनारस में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में बीएससी (अंतिम वर्ष) की परीक्षा (सत्र विलम्बित था) दे चुका था या देने को था और ग्रीष्मावकाश में अपने ननिहाल दिल्ली आया था। देश में तब चल रहे लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन (जिससे हम भी उद्वेलित थे) से उपजी बेचैनी आसपास लगातार महसूस हो रही थी। 12 जून को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा का वह प्रसिद्ध निर्णय आया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लोकसभा निर्वाचन को अवैध घोषित किया गया था। दिल्ली और देश का माहौल और उत्तप्त हो उठा था। बहरहाल, कुछ दिनों बाद मैं अपनी बड़ी मौसीजी के पास हाथरस गया, जहां अच्छा-खासा बुखार चढ़ आया, तो कई दिन वहीं रहना पड़ा। बीमारी में दीन-दुनिया की खबर भी कुछ कम रही। वहां से मैं अपनी उस यात्रा के अगले चरण फर्रूखाबाद जिले के गांव कम्पिल के लिये रवाना हुआ। मैं 25 जून की रात हाथरस से किसी ऐसी ट्रेन से सफर पर चला, जिससे कासगंज तक जा कर गाड़ी बदलनी होती थी। भीड़ ऐसी थी कि हाथरस से कासगंज तक कहीं ढंग से टिकने की जगह भी नहीं मिली। खड़े-खड़े हाल पस्त हो गया। 26 जून, 1975 की सुबह गाड़ी कासगंज पहुंची। अगली गाड़ी आने में घण्टा-डेढ़ घण्टा बाकी था। बुखार के बाद की कमजोरी, रात्रि जागरण और घण्टों खड़े रह कर शरीर और मन चूर हो रहे थे। मैं प्लेटफॉर्म पर एक बेंच पर आंखें मूंद कर बैठ गया था। तभी अखबारों के हॉकर वहां आ पहुंचे और देश में आपातकाल लागू हो चुकने का उद्घोष करने लगे। तीर खाए जीव की तरह आत्मचेतना जैसे तड़पने लगी। झपट कर एक अखबार खरीदा और पढ़ गया। याद है कि उत्तेजनावश अखबार पकड़े हाथ थरथरा रहे थे और उसका कागज बड़ा अजीब और अजनबी लग रहा था। कासगंज के रेलवे स्टेशन की वह भोर जैसे जल उठी। थकान से लस्त था, पर आंखों और मन की कड़वाहट और एक अजीब सी सनसनी में नींद बहुत दूर जा छुपी। बहुत सारी दूसरी चीजों की तरह सुबह की पहली चाय भी बिल्कुल कसैली हो गई थी। आपातकाल के दौरान क्या कुछ सोचा-देखा-महसूस किया और प्रतिरोध में एक विद्यार्थी के रूप में ही अपनी छोटी सी भूमिका निभाने में क्या किया, फिर कैसे 'दूसरी आजादी' आई, उसका क्या हश्र हुआ, मैं विचार और सम्वेदना के कितने सोपानों से गुजरा, वह सब विस्तार से बयान करने की गुंजाइश अभी नहीं है। लेकिन यह दर्ज कर देने में कोई हर्ज नहीं कि एक सहज बुद्धि और विवेक संपन्न और लिखने-पढ़ने का रुझान रखने वाले किशोर के रूप में मन में जो विरोध और विद्रोह का भाव था, उसे एक अधिक सुविचारित दिशा तब मिली, जब मैं 1976 से बीचयू में ही पत्रकारिता का विद्यार्थी बन गया। अब यह बोध था कि जीवन की जो राह चुनी है, उसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अनिवार्य मूल्य है, जो तब गहरे संकट में था। अमूमन भारत के तत्कालीन मीडिया जगत ने (तब गैर-सरकारी संचार माध्यम के रूप में सर्वसुलभ सिर्फ अखबार हुआ करते थे, हालांकि तेज-तर्रार लोग बीबीसी, वॉयस ऑफ अमेरिका आदि कुछ विदेशी रेडियो स्टेशनों से भी जुड़ाव रखते थे) विशेष गौरवशाली प्रतिरोध की गाथाएं तब ज्यादा नहीं रचीं। लालकृष्ण आडवाणी ने बाद में पत्रकारिता जगत के लोगों के लिए वह प्रसिद्ध वाक्य कहा था कि उन्हें जब झुकने के लिए कहा गया, तो वे रेंगने लगे। लेकिन ऐसा नहीं कि साहस के कोई स्फुलिंग समय-समय पर कौंधते नहीं थे। बड़े प्रतिष्ठानों में 'इंडियन एक्सप्रेस' का आलोचनात्मक स्वर सबसे प्रखर और मुखर बना रहा। उसमें कुलदीप नैयर का विशेष तौर पर पहचाना और सम्मानित नाम बना। निखिल चक्रवर्ती संपादित पत्रिका 'मेनस्ट्रीम' और राजमोहन गांधी के सम्पादन में 'हिम्मत' ने भी अपनी अपेक्षाकृत सीमित पहुंच के बावजूद पत्रकारिता के संकल्प वाक्यों में एक 'स्पीक ट्रुथ टु पॉवर' को चरितार्थ किया। इस संदर्भ में एक प्रसंग याद आता है। बतौर पत्रकारिता विद्यार्थी जब हम 'स्टडी-टूर' पर दिल्ली आए, तो कई प्रतिष्ठानों में ले जाए गए। उनमें आकाशवाणी का दिल्ली केंद्र और राष्ट्रीय आकाशवाणी मुख्यालय भी गंतव्य थे। आपातकाल के उन कड़वे दिनों से विक्षुब्ध हम तीन-चार साथियों ने तय किया कि हम इस 'सरकारी भोंपू' में जाकर क्या करेंगे, हम उसके बदले निडर समाचारपत्र 'इण्डियन एक्सप्रेस' के कार्यालय जाकर निर्भीक पत्रकारिता के नायक आदरणीय कुलदीप नैयर जी से मिलेंगे। सो कुछ बहाना बना कर हम आकाशवाणी जाने से बच गए और 'इण्डियन एक्सप्रेस' चले गए। नैयर साहब ने 'बी ब्रेव' लिखकर ऑटोग्राफ दिया, जो निधि बन गया।

टकराव को टालें, लोकतंत्र की मजबूती पर दें ध्यान

चुनावों के बाद जैसी उम्मीद की जा रही थी, लगता है हमारे लोकतंत्र की गाड़ी उस दिशा में नहीं जा रही। उम्मीद यह की जा रही थी कि लोकसभा चुनावों में जनादेश का सम्मान करते हुए पक्ष-प्रतिपक्ष मिलकर संसदीय परंपराओं को आगे ले जाने की दिशा में बढ़ेंगे। लेकिन, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सोमवार को लोकसभा में जो कुछ हुआ, उससे तो लगता है कि संसद में पक्ष-प्रतिपक्ष में टकराव के नए दरवाजे खुल रहे हैं।

धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रतिपक्ष के नेता के तौर पर पहली बार बोलते हुए राहुल गांधी ने कुछ ऐसे मुद्दे उठाए जिनसे बचा जा सकता था। बीस साल से सांसद के रूप में सदन का हिस्सा बन रहे राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिरला तक को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। भगवान शिव की तस्वीर दिखाकर उन्होंने मामले को दूसरी दिशा में मोड़? की कोशिश भी की। सवाल यह उठता है कि राजनीतिक मुद्दों को बीच में लाने के बजाय क्या यह उचित नहीं था कि राहुल गांधी धन्यवाद प्रस्ताव के केन्द्र में ही अपनी बात रखते। वैसे भी राजनीतिक मुद्दों पर बोलने के लिए राहुल के पास भी पूरे पांच साल का समय है। यह बात सही है कि राहुल के भाषण को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से अलग-अलग निहितार्थ निकालेंगे। इस मुद्दे पर आने वाले दिनों में राजनीति भी गरमाएगी। लेकिन क्या यह राजनीति इस समय प्रासंगिक मानी जा सकती है? वह भी तब, जब बीते छह महीने से देश राजनीति के दांवपेंच ही देखता आ रहा है। इन दांवपेंचों को देख-परखकर ही सभी दलों को जनादेश मिला है। जनादेश एनडीए को सत्ता में और इंडिया गठबंधन को विपक्ष में बैठने के लिए है। विपक्ष को पूरा अधिकार है कि वह मुद्दों के आधार पर सत्ता पक्ष को सदन से लेकर सड़क तक घेरे। जनता की आवाज को तरीके से उठाए भी। आज भाजपा सत्ता में है और कांग्रेस विपक्ष में। लंबे समय तक कांग्रेस सत्ता में रही और भाजपा विपक्ष में। हर दल को अपनी जिम्मेदारी का अहसास होना चाहिए।

संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के बारे में टिप्पणी करते समय सतर्कता बरतने की जरूरत है। लोकतंत्र में सरकारें आती हैं, जाती हैं, लेकिन संसदीय परंपराएं और मयार्दा अक्षुण्ण रहती हैं। हम इसलिए सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश हैं क्योंकि हमने लोकतांत्रिक परंपराओं को साल दर साल संपन्न किया है। चुनाव में कोई भी जीता-हारा, सत्ता हस्तांतरण आसानी से हुआ।

नये भारत में बदलाव के कानून, न्याय की ओर

-: ललित गर्ग:-

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां को दूर करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना नये भारत की अपेक्षा है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, कानूनी प्रावधान न्यायसंगत एवं अपराध-नियंत्रण का माध्यम हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। 1 जुलाई, 2024 से भारत आपराधिक न्याय के एक नए युग की शुरूआत होने जा रही है। न्याय का एक नया सूरज उदित हो रहा है, जब पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरेंगे। इस दृष्टि से यह कानून से जुड़ी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी और नया परिवेश देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि कानूनी बदलाव से जुड़े ये तीनों विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे।

अंग्रेजों के बनाये कानून क्या स्वतंत्र भारत में साढे. सात दशक बाद भी लागू रहने चाहिए, यह लम्बे समय से विमर्श का विषय बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये, अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने का साहसिक एवं प्रासंगिक कदम उठाते हुए नए कानून लाने एवं उन्हें लागे करने का बड़ा कदम उठाया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य है। विपक्षी दलों ने सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को भले ही व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाने की अपेक्षा व्यक्त की हो, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है।

इन कानूनों को बनाने का मूल उद्देश्य अपराधमुक्त समाज की संरचना करना है। इसीलिये अपराधियों को कड़े दण्ड देने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें।

यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी। अंततः अब पुलिस को अनुशासित बनाने के साथ-साथ कारगर बनाने की ओर देश ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस प्रशासन की सफलता इसी में है कि तमाम लोगों को यह महसूस हो कि कानून न्यायपूर्ण ढंग से लागू किया जा रहा है।

एक पहलू यह भी है कि पुलिस प्रशासन को कुशल और सक्षम बनाने के लिए संसाधनों की कमी आड़े नहीं आए। जिस स्तर की सेवा की उम्मीद लोग पुलिस से कर रहे हैं, उसके लिए सरकारों को पुलिस पर व्यय बढ़ाना होगा। सक्षम और सहयोगी पुलिस हमारे तेज विकास में कारगर होगी। पुलिस को प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाने के तंत्र भी नये तरीके से विकसित करने होंगे। एक तरह से इन कानूनी प्रावधानों को सहज एवं सरल बनाने के प्रयास किये गये हैं।

ध्यान रहे, पिछले कानूनों में यह बड़ी कमी थी कि वे गरीबों को न्याय दिलाने में असमानता के द्योतक थे। उन कानूनों का इस्तेमाल गरीबों के खिलाफ जितनी आसानी से होता था, उससे कहीं ज्यादा कठिनाई से अमीरों के खिलाफ मामले दर्ज होते थे। आरोप सिद्ध होने या सजा के मामले में भी गरीबों को ही ज्यादा भुगतना पड़ता था। औपनिवेशिक युग के निर्मम या गरीब विरोधी कानूनों को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी। अब इन नये तीन कानूनों ने ब्रिटिश काल के तीन कानूनों की जगह ले ली है, इसका एहसास कराना होगा कि ब्रिटिश हिसाब से बने कानून अब देश में नहीं चल रहे हैं। नए कानूनों में यह ताकत है कि इनसे अपने यहां संपूर्ण न्याय प्रणाली में आम नागरिकों के अनुरूप आधुनिक बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने अपना काम कर दिया है और अब राज्यों को अपने स्तर पर इन अच्छे एवं प्रभावी कानूनों को लागू करने की पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और देश के ज्यादातर राज्यों में पुलिस जिस तरह से प्रशिक्षित हो रही है, इससे जुड़ी खबरों का सामने आना भी सुखद है। सक्षम और सहयोगी पुलिस नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत में कारगर होगी।

सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच-पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है। जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। निश्चित ही जहां सरकार वर्तमान संदर्भ के अनुरूप कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है वहीं उसे कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं पुलिस-व्यवस्था को सुधारने एवं सक्षम बनाने के लिये साधन-सुविधाओं को सुलभ कराने के लिये तत्पर होना होगा। नये कानून एवं नयी आधुनिक अदालते कल के भारत को और मजबूत करेगी। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने में इनकी सर्वाधिक सार्थक भूमिका होगी। सरकार अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में न्याय-प्रक्रिया को संचालित करने के लिये भी प्रतिबद्ध है।

नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर तारीख के दिन लद जाएंगे। एक जुलाई से लागू हो रहे आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नये कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआइआर से लेकर फैसले तक को समय सीमा में बांधा गया है। आपराधिक ट्रायल को गति देने के लिए नये कानून में 35 जगह टाइम लाइन जोड़ी गई है। शिकायत मिलने पर एफआइआर दर्ज करने, जांच पूरी करने, अदालत के संज्ञान लेने, दस्तावेज दाखिल करने और ट्रायल पूरा होने के बाद फैसला सुनाने तक की समय सीमा तय है। साथ ही आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को कानून का हिस्सा बनाने से मुकदमों के जल्दी निपटारे का रास्ता आसान होगा।

इमरजेंसी, घोषित और अघोषित

- राजेंद्र शर्मा

यह मामला एक केजरीवाल का ही नहीं है, हालांकि दिल्ली के चीफ मिनिस्टर का यह मामला इस लिहाज से दुर्लभतम है कि स्वतंत्र भारत के सात दशक से ज्यादा के इतिहास में, इससे पहले किसी भी और चीफ मिनिस्टर को, सांकेतिक अदालती दंडात्मक कार्रवाई को छोड़कर, इस तरह गिरफ्द्तार नहीं किया गया था। लगभग ऐसे ही मामले में एक और विपक्षी चीफ मिनिस्टर, हेमंत सोरेन लगभग पांच महीने बाद पिछले ही सप्ताह जेल से छूटे हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अठारहवीं लोकसभा के जिस पहले सत्र की शुरूआत, सत्ता पक्ष द्वारा पचासवीं सालगिरह के नाम पर (जबकि गणित के हिसाब से यह 49वीं सालगिरह ही थी), श्रीमती इंदिरा गांधी की 1975 की 25-26 जून की मध्यरात्रि की आंतरिक इमरजेंसी की घोषणा को जी भरकर गरियाने के साथ हुई है, उसी की चर्चा के पहले दिन की शुरूआत, बैठक शुरू होने से पहले विपक्ष द्वारा अपने खिलाफ, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के विरुद्ध संसद के दरवाजे पर विरोध प्रदर्शन किए जाने के साथ हुई। जाहिर है कि इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली के चीफ मिनिस्टर, अरविंद केजरीवाल के जेल में बंद रखे जाने का मुद्दा, केंद्र सरकार द्वारा विपक्ष के खिलाफ ईडी, सीबीआई आदि केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किए जाने के खास उदाहरण के तौर पर उठाया जा रहा था। अरविंद केजरीवाल के मामले में केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक विद्वेष की भावना से काम करने की सच्चाई तब और नंगई से सामने आ गयी, जब दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत द्वारा लंबी कानूनी मशक्कत के बाद, प्रिवेंशन ऑफ मनी लाउंडरिंग (पीएमएलए) जैसे अति-दमनकारी कानून के अंतर्गत, केजरीवाल के खिलाफ पहली नजर में मामला नहीं बनने के आधार पर, जमानत दे दिए जाने के बाद, मोदी सरकार की ईडी उनकी जमानत रुकवाने के लिए हाई कोर्ट में पहुंच गयी और अंततः जमानत रुकवाने में कामयाब भी हो गयी। सभी ने देखा कि यह सब इतनी हड़बड़ी में और किसी भी तरह जमानत पर छूटने से उन्हें रोकने की नीयत से किया गया था कि राउज एवेन्य अदालत का फैसला अपलोड होने यानी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने से पहले ही, हाई कोर्ट से उसे रोकने के आदेश की प्रार्थना की जा चुकी थी और अदालत द्वारा अपने विवेक से उसे स्वीकार भी किया जा चुका था। लेकिन, यह किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो गया। हाई कोर्ट के उक्त आदेश के खिलाफ, सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की याचिका पर किसी तरह की न्यायिक राहत का रास्ता रोकने की ही नीयत से, केंद्रीय एजेंसियां की रिले रेस में अब सीबीआई को आगे कर दिया गया, जिसने उसी प्रकरण के एक भिन्न पहलू–षडयंत्रात्मक पहलू–पर कार्रवाई के नाम पर, जेल में ही केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार कर लिया। हैरानी की बात नहीं है कि सीबीआई की इस कार्रवाई के बाद, केजरीवाल को ईडी के मामले में जमानत से संबंधित अपनी याचिका उपयुक्त नहीं रह जाने के चलते वापस लेनी पड़ी और इस तरह के केंद्रीय एजेंसियों ने, जाहिर है कि मोदी-शाह सरकार के इशारे पर, यह सुनिश्चित किया है कि प्रासंगिक निचली अदालत द्वारा जमानत दिए जाने के बावजूद, वह अभी और जेल में ही बंद रहें। वास्तव में यह मामला एक केजरीवाल का ही नहीं है, हालांकि दिल्ली के चीफ मिनिस्टर का यह मामला इस लिहाज से दुर्लभतम है कि स्वतंत्र भारत के सात दशक से ज्यादा के इतिहास में, इससे पहले किसी भी और चीफ मिनिस्टर को, सांकेतिक अदालती दंडात्मक कार्रवाई को छोड़कर, इस तरह गिरफ्द्तार नहीं किया गया था। लगभग ऐसे ही मामले में एक और विपक्षी चीफ मिनिस्टर, हेमंत सोरेन लगभग पांच महीने बाद पिछले ही सप्ताह जेल से छूटे हैं। झारखंड के चीफ मिनिस्टर, हेमंत सोरेन के मामले में आरोपों की भिन्नता के अलावा इतना सा तकनीकी अंतर जरूर था कि ईडी द्वारा पीएमएलए के अंतर्गत गिरफ्तार किए जाने से पहले, उन्हें राज्यपाल को अपना इस्तीफा देने का मौका जरूर दिया गया था और इस्तीफा देते ही, राजभवन के दरवाजे से ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इस तरह, तकनीकी रूप से गिरफ्तारी के समय वह सीएम के पद पर नहीं थे। हैरानी की बात नहीं है कि संसद परिसर में विपक्ष के 1 जुलाई के विरोध प्रदर्शन के पीछे, केंद्रीय एजेंसियों के हाथों, हेमंत सोरेन की गिरफ्द्तारी का अनुभव भी था, जिसे रांची हाई कोर्ट ने ही निराधार पाया है और जमानत मंजूर कर ली है।

ओम कहूं मैं अनुभव अपना

@ राकेश अचल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पहले भाषण में परिपक्वता थी या बचपना ये तय करने के लिए आप। स्वतंत्र हैं। लेकिन मुझे लगता है कि पिछले दस साल में पहली बार सत्तारूढ़ दल को असुविधा का सामना करना पड़ा है। राहुल ने हिंदुत्व की तलवार से ही हिंदू सम्राट और उनकी पलटन को छकाया है।

विपक्ष के नेता राहुल गांधी कल तक भारतीय जनता पार्टी के लिए पप्पू और मोशा की जोड़ी के लिए कांग्रेस के शाहजादा भर थे किन्तु अब वे विपक्ष के नेता भी हैं। राहुल को नयी भूमिका में स्वीकार करना मोशा की मजबूरी है, वो भी संवैधानिक मजबूरी।अब सरकार राहुल गांधी को पप्पू नहीं कह सकती। लोकसभा अध्यक्ष माननीय ओम बिरला राहुल का माइक बंद करने का दुस्साहस नहीं कर सकते। लोकसभा स्थगित करने से पहले भी उन्हें सत्तारूढ़ दल की ओर सौ बार देखना पड़ेगा।

हिंदू धर्म ग्रंथ रामचरित मानस में जैसे गोस्वामी तुलसीदास ने पूरी कथा शिव -पार्वती संवाद के रूप में कहीं ठीक वैसे ही राहुल गांधी ने देश की व्यथा -'शिव जी कहते हैं के जरिए बखान की। और पूरे सदन ने उन्हें सुना। सोमवार को हंगामा विपक्ष की ओर से नहीं बल्कि सत्तापक्ष की ओर से हुआ। कभी कभी लगा कि जैसे राहुल लोकसभा अध्यक्ष को इंगित कर कह रहे हैं कि - 'ओम कहूं मैं अनुभव अपना, सत हरि भगति, जगत है सपना'।

राहुल के भाषण पर माननीय बैशाखा प्रधानमंत्री जी ही नहीं बल्कि उनके तमाम खासमखास

सिपाहसलार खिसियाए, भन्नाए, बमके किंतु राहुल की बोलती बंद नहीं कर सके। राहुल गांधी के भाषण के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षामंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और कृषि मंत्री तक को खड़े होकर राहुल के वारों से सदन के नेता माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को बचाना पड़ा।

सदन में वर्षा बाद मानसून का असर दिखाई दिया। सत्ताधारी दल को पल-पल पर छाते लगाना पड़ा लेकिन बच कोई नहीं सका। सबसे बुरी और दयनीय दशा थी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी की। वे कसमसा रहे थे, तिलमिला रहे थे, लेकिन विपक्षी नेता पर हावी नहीं हो पा रहे थे। उनकी हैडमास्टरी काम नहीं आ रही थी। आखिर राहुल लोकसभा अध्यक्ष से प्रधानमंत्री से भी वरिष्ठ सांसद जो थे।

सत्तारूढ़ दल के नेता राहुल के हर आरोप को भ्रामक बता रहे थे, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष राहुल की एक भी बात को विलोपित करने की हिम्मत नहीं कर पाए। मामला हिंदुत्व का उठा, नफरत का उठा। हिंदू मुसलमान का उठा, नीट पेपर लीक का उठा। किसान का उठा। मणिपुर का उठा। अग्निवीर का उठा।? सबसे ऊपर था देश को भयभीत करने का मुद्दा। राहुल गांधी ने कहा कि माननीय ने देश के हर वर्ग को भयभीत करने की कोशिश की। यहां तक कि अपनी पार्टी के नेताओं तक को भयभीत कर रखा है। और हर मुद्दे पर सरकार या तो बौखलाई या फिर उसे बगलें झांकने पर मजबूर होना पड़ा। कुल मिलाकर सरकार की दशा दयनीय थी।

राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सरकार पर बरस रहे थे। वहां भी पीठाधीश्वर को बचाव की मुद्रा में पूरा देश देख रहा था। सदन में पहले जयश्री राम का नाम गूंजता था लेकिन सोमवार को बम बम भोले की गूंज थी। कोई रामभक्त आखिर शिवद्रोही कैसे बनता? क्योंकि रामजी पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि - 'शिवद्रोही मम दास कहावा, सो नर मोहे सपनेहु नहिं भावा।'

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जब जबाब देने की बारी आएगी तब तय है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भी विपक्ष के नेता की जमकर धुनाई और छिलाई करेंगे। उन्हें सुनने में भी उतना ही मजा आने वाला है जितना कि राहुल गांधी को सुनने में आया है। इसलिए भाइयों और बहनों अपने अपने मोबाइल की बैटरी, टीवी को रीचार्ज करा लीजिए। क्योंकि सबसे मनोरंजक शो आपके सामने आने वाला है। क्रिकेट के टी -20 से भी ज्यादा रोचक, रोमांचक, उत्तेजक।

दस साल में पहली बार संसद में गंज, अनुगूंज सुनाई दे रही है। संसद प्राणवान लग रही है। गुनगुनी लग रही है। कल तक ध्वनि मत से चलने वाली संसद में तर्क - वितर्क हो रहे हैं। संसद उत्तरदाई नजर आ रही है। हमनें ऐसी तमाम संसदें देखी है। लेकिन ये पहली संसद है जिसमें संविधान भी है, शिव भी है और अविनाशी नेता भी। श्रीमती इंदिरा गांधी के युग में भी ऐसी संसद नहीं थी।

आज की संसद में एक ओर मोशा की जोड़ी है तो दूसरी ओर राहुल -अखिलेश की जोड़ी है। एक तरफ रथी है तो दूसरी ओर विरथी। पूरी संसद अधीर है। देश अधीर है। मै भी अधीर हूं। शायद आप भी अधीर हों। अधीरता में ही आध्यात्म है।

लोस में राहुल के बयान पर बिफरे भाजपाई, फूंका पुतला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हिन्दुओं के प्रति दिये बयान के विरोध में जिला मुख्यालय में नारेबाजी कर प्रदर्शन करते हुए राहुल गांधी का पुतला जलाया।

राहूल गांधी का पुतला दहन करते भाजापा कर्याकर्ता।

मंगलवार को पुतला दहन से पहले युवा मोर्चा व भाजपाइयों ने जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा हीरो मिश्रा, पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय, अश्विनी अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, चन्द्र प्रकाश खरे, भागवत त्रिपाठी की अगुवाई में शहर के मुख्य मार्गों पर प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुए शहर के मुख्य चौराहे पर पुतला दहन किया। पुतला दहन के बाद पत्रकारों से जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा हीरो मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी के बयान की निन्दा हर युवा कर रहा है। राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए। राहुल गांधी को हिन्दुओं से माफी मांगनी चाहिए। पूर्व राज्यमंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद गम्भीर नहीं हुए। पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी का बयान राजनीतिक मूल्यों की गिरावट है। जिला महामंत्री आलोक पाण्डेय ने कहा कि राहुल गांधी व कांग्रेस की हिन्दुओं के प्रति घृणा जन्मजात है। राहुल गांधी वोटबैंक तुष्टीकरण की राजनीति को कितना नीचे गिरेंगे। जिला महामंत्री अश्विनी अवस्थी ने कहा कि राहुल गांधी को हिन्दुओं से माफी मांगनी चाहिए। मीडिया प्रभारी भागवत त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी पहले अपना धर्म बतायें। पुतला दहन व विरोध-प्रदर्शन में शिवशंकर सिंह, महेन्द्र कोटार्य, ब्रजेश पाण्डेय, अभिषेक ओझा, पवन बद्री, बच्चन त्रिपाठी, विकास, राघव, शैलू सोनी, श्रद्धांशु, विनीत, भानु, आदित्य, धर्मेंद्र, आभेष, हेमंत, संजय पाण्डेय समेत तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राहुल ने कुछ अनर्गल नहीं कहाः रुद्र

अखंड भारत संदेश

का रुद्र प्रसाद मिश्र एड।

चित्रकूट। माकपा जिला सचिव का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने कहा कि भाजपाइयों को विरोध-प्रदर्शन से पहले लोकसभा के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी के पूरे भाषण को सुनना चाहिए। राहुल गांधी ने हिन्दुओं के प्रति ऐसा कुछ भी अनर्गल नहीं कहा। उन्होंने सिर्फ भाजपाइयों को हिन्दू के नाम पर असहिष्णु कहा है। भाजपा के दिग्गज नेताओं ने लोकसभा चुनाव दौरान जिस तरह से जहर उगला है, वह हिन्दुओं को शोभा नहीं देता। हिन्दू कभी हिंसक नहीं रहा, ये बात राहुल गांधी ने भी कही है।

एआरटीओ कार्यालय में दलालों का जमघट।

दलालों के बूते चल रहा एआरटीओ कार्यालय

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एआरटीओ ऑफिस में दलाली का धंधा नहीं थम रहा। कार्यालय में दलाली का गोरखधंधा कार्यालय के लिपिक जारी किये हैं। ये सब एआरटीओ की मनमानी से चल रहा है।

मंगलवार को एआरटीओ कार्यालय में दलाली के गोरखधंधे का खुलासा हुआ। बताया गया कि एआरटीओ कार्यालय में कोई भी कार्य बिना दलालों के नहीं होते। यहां तक कि एआरटीओ भी कहते हैं कि प्रार्थना पत्र आदि कहीं से लिखवा के लाओ, तभी काम होंगे। ये सिलसिला लम्बे समय से चल रहा है। एआरटीओ कार्यालय के लिपिक भी दलालों से सब काम करवाते हैं। डीसीआरबी रिपोर्ट लगवाने के नाम पर पचास चक्कर लगवाये जाते हैं। आये दिन सर्वर न रहने की बहानेबाजी की जाती है। एआरटीओ कार्यालय को शासन-प्रशासन का कोई भय नहीं है।

अतिक्रमण हटवाने की ईओ से मांग

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के धनुष चौराहा के विजय कुमार त्रिपाठी पुत्र प्रेमनारायण ने नगर पालिका कर्वी के अधिशाषी अधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि धनुष चौराहे के आगे मोहित बेकरी व हर्ष रेडीमेड साडी शोरूम सडक में अतिक्रमण किये हैं। उन्होंने तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटवाने की मांग की। मंगलवार को विजय कुमार त्रिपाठी ने नगर पालिका के ईओ को लिखे पत्र में कहा कि धनुष चौराहे पर दोनों ओर डिवाइडर बन जाने से जगह का खासा अभाव हो गया है। उस पर मोहित बेकरी व हर्ष रेडीमेड सडक किनारे बने नाले पर अतिक्रमण किये है। इससे आवागमन में परेशानी होती है। आये दिन हादसे हो रहे हैं। किसी भी दिन कोई बडा हादसा हो सकता है। उन्होंने दुकानदारों से सडक से नाले तक अतिक्रमण हटवाने की मांग की है। कहा है कि जल्द अतिक्रमण हटवाकर मार्ग को चौडा किया जाये, ताकि हादसे न हो सकें।

चोरी-माल बरामद का वारंटी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में प्रभारी निरीक्षक रैपुरा श्याम प्रताप पटेल की अगुवाई में दरोगा दिनेश कुमार पाण्डेय ने चोरी-माल बरामद व खनिज अधिनियम के वारंटी सत्यनारायण पुत्र बच्चीलाल जमेहली को गिरफ्तार किया। टीम में दरोगा दिनेश कुमार पाण्डेय व सिपाही अंकित शुक्ला शामिल रहे।

दो दम्पतियों में परिवार परामर्श केन्द्र ने कराई सुलह

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर सामाजिक रिश्तों को बचाने के प्रयास में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र ने आपसी पारिवारिक विवाद को समाप्त कराकर दो दम्पति में सुलह कराकर परिवार को टूटने से बचाया। मंगलवार को कोतवाली कर्वी के गोपालकुंज तरौंहा की श्रीमती आकांक्षा पुत्री जितेन्द्र करवरिया ने पति सिद्धार्थ उर्फ गोलू पुत्र रविशंकर शुक्ला देवरा थाना मऊ के खिलाफ दिये पत्र में कहा कि ससुरालीजन मारपीट, गाली-गलौज कर दहेज की मांग करते हैं। पुलिस अधीक्षक ने पत्र निस्तारण को प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा। परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी श्रीमती गुड्डी देवी, महिला सिपाही शिवांगनी श्रीवास्तव, महिला सिपाही मंजूलता ने शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को पुलिस कार्यालय बुलाया। दोनों पक्षों को भविष्य में आपस में विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही।

सुलह कराती पुलिस।

आपसी सुलह होने पर दम्पति ने तालमेल से रहने का भरोसा दिया। इसी क्रम में मऊ थाने के भट्ठा गांव की श्रीमती श्यामकली पत्नी सुभाषचन्द्र ने पति सुभाषचन्द्र पुत्र संतोष कुमार निवासी भट्ठा पर मारपीट व विवाद करने बाबत पत्र पुलिस अधीक्षक को सौंपा। पत्र निस्तारण को उन्होंने प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र भेजा। परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी श्रीमती गुड्डी देवी, महिला सिपाही शिवांगनी श्रीवास्तव, महिला सिपाही मंजूलता ने शिकायत को सुन-समझकर दूसरे पक्ष को पुलिस कार्यालय बुलाया। दोनों पक्षों को समझाया। पीड़िता के पति के बाहर होने से फोन से वार्ता की। दोनों पक्षों को भविष्य में आपसी विवाद न करने व पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। आपसी सुलह होने पर दम्पत्ति ने तालमेल से रहने का भरोसा दिया। पीड़िता को सास के साथ ससुराल भेजा।

शान्ती देवी कालेज के छात्र नीरज मिश्र ने हासिल की 26वीं रैंक

अखंड भारत संदेश

पहाड़ी/चित्रकूट। शान्ती देवी इंटर कालेज पहाडी के कक्षा 12 कृषि संकाय के छात्र नीरज मिश्र, दीपक सिंह, यशोदा देवी व रणवीर सिंह ने उप्र संयुक्त कृषि व प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा 2024 में सफलता हासिल की है।

26वीं रैंक पाने वाले नीरज मिश्रा।

मंगलवार को सफलता हासिल करने वाले नीरज मिश्रा पुत्र धर्मेंद्र मिश्रा ने प्रदेश में 26वीं रैंक पाई है। परिवार व क्षेत्र तथा विद्यालय का नाम रोशन किया है। सर्वोच्च रैंक मिलने पर विद्यालय परिवार ने नीरज मिश्रा को सम्मानित किया। नीरज मिश्रा ने कहा कि संकल्प था कि उसे प्रदेश में अच्छा विश्वविद्यालय मिले। काउंसलिंग बाद नीरज मिश्रा का सपना पूरा होने के आसार हैं। रैंकिंग में कृषि संकाय का सर्वोच्च विश्वविद्यालय चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर है। निश्चित ही वह प्रवेश को काउंसलिंग बाद मेधावी छात्रों की अच्छी रैंक होने से प्रदेश के उच्च स्तरीय कालेजों में प्रवेश पायेगा।

ग्रामीण परिवेश के छात्र नीरज मिश्रा ने सफलता का श्रेय कालेज के प्रबंधक सुनील कुमार सिंह, प्रधानाचार्य शिवबरन त्रिपाठी व शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। विद्यालय परिवार ने सभी परिश्रमी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अखिलेश जन्मदिन सप्ताह पर रोपा पौधा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर जारी पौधरोपण सप्ताह के तहत देवांगना स्थिति बजरंग आश्रम में बरगद पौधा रोपित कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लिया। सपा प्रदेश कार्यकारणी सदस्य अनुज सिंह यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर्यावरण प्रेमी हैं। सपा सरकार में पर्यावरण बचाने को बहुत काम हुए हैं।

बरगद का पौधा लगाते सपा नेता।

मंगलवार को सपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनुज सिंह यादव ने कहा कि सपा सरकार में एक दिन में करोड़ों पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। समय-समय पर पर्यावरण प्रेमियों को प्रोत्साहन राशि देकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हौसला आफजायी की थी। मौजूदा भाजपा सरकार पर्यावरण विरोधी है। विकास के नाम पर सरकार हर रोज लाखों पौधे उजाड रही है। कागज में लाखों पौधे लगाने का दावा करने वाली योगी सरकार में धरातल में एक भी पौधा जिंदा नहीं है। इस मौके पर वरिष्ठ सपा नेता साहबलाल द्विवेदी, चंद्रभान यादव, राम प्रसाद वर्मा, रोहित यादव, डा सुरेश, अनूप यादव व संत धनीराम दास मौजूद रहे।

महुआ शराब समेत एक दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण व बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में चैकी प्रभारी खोही परिक्रमा मार्ग रमेश यादव ने अजय कुमार उपाध्याय पुत्र इन्द्रपाल उपाध्याय हड़हामाफी थाना बदौसा के कब्जे से पांच लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ कोतवाली कर्वी में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी खोही परिक्रमा मार्ग रमेश यादव, सिपाही रविन्द्र राठौर व आशीष कुमार शामिल रहे।

प्राइवेट कर्मी बिजली विभाग की आड में कर रहा खेल

सूचना एवं गोपनीय कक्ष की किसने दी जिम्मेदारी?

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बिजली विभाग के वितरण खंड कर्वी में सूचना एवं गोपनीय कक्ष जैसे महत्वपूर्ण पटल संविदा कर्मी को अधिकारियों ने सौंप रखा है, जो नियम विपरीत है। सरकारी कर्मचारी ही सूचना एवं गोपनीय कक्ष में रहने का हकदार है।

विद्युत विभाग के इस गोलमाल का खुलासा मंगलवार को हुआ। बताया गया कि सूचना एवं गोपनीय कक्ष में सरकारी व आम जनता की शिकायतों का निस्तारण सरकार की प्राथमिकता में है। प्राइवेट कर्मी का इस पद पर रहना संदेहास्पद है। इससे जुड़े लोगों को शिकायत से पहले ही जानकारी होने से निष्पक्ष जांच नहीं हो पाती। प्राइवेट कर्मचारी कार्यालय में बैठकर जिले में रिश्तेदारी खोलकर दलाली कर रहा है। रोजाना सुबह-शाम बिजली सम्बंधित कार्य के लिए कार्यालय में लोग आते-जाते देखे जाते हैं। तमाम लोग अधिशाषी अभियंता से मिलने आने में संकोच करते हैं, क्योंकि प्राइवेट कर्मी कहीं सूचना लीक न कर दे। विद्युत विभाग की क्या मजबूरी है कि सरकारी कार्य में प्राइवेट कर्मी की ड्यूटी लगाई है। सरकार के दिशा-निर्देशों का विद्युत विभाग में पालन नहीं हो रहा। आम आदमी की समस्याओं का विद्युत विभाग में निस्तारण नहीं हो रहा। एक प्राइवेट कर्मचारी डिवीजन में पांच साल से लूट-खसोट कर रहा है। समय रहते प्राइवेट कर्मी रामसिया यादव पर अंकुश न लगा तो भ्रष्टाचार की नयी इबारत का खुलासा होगा।

परिक्रमा मार्ग की मशीनों से करायें सफाईः डीएम

डीएम ने विकास कार्य देख दिये निर्देश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने रामघाट व परिक्रमा मार्ग में हुए पर्यटन विकास कार्यों को देखा। उन्होंने बरहा हनुमान मंदिर के पास निर्माणाधीन गेट, सडक, म्यूरिनल, कामदगिरि आरती स्थल, सेल्फी प्वाइंट, टीन शेड में हुए चित्र-चित्रण, चौपड़ा तालाब का सुन्दरीकरण, मप्र व उप्र सीमा परिक्रमा मार्ग पर गेट निर्माण, रामायण दर्शन गैलरी, सुलभ काम्प्लेक्स, लक्ष्मण पहाड़ी पर्यटन विकास कार्य, रामघाट पर लाइट व्यवस्था व आरती स्थल के कार्य देखे।

रामघाट का भ्रमण करते डीएम-एसपी आदि।

मंगलवार को जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिये कि रामघाट व परिक्रमा पथ में जो कार्य हो रहे हैं, शासन की मंशानुसार गुणवत्ता से करायें। कामदगिरि आरती स्थल पर नये कार्य होने हैं। पर्यटन विकास से होना है। उनके प्रस्ताव शासन को भेजे जायें। रामायण दर्शन में बाहर बैठने को बेंच बनायें। ईओ नगर पालिका को निर्देश दिये कि मशीनों से परिक्रमा मार्ग की अच्छे से सफाई करायें। एसडीएम कर्वी से कहा कि रामघाट व परिक्रमा मार्ग में किसी तरह का अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। बरहा हनुमान मंदिर के पास बने मुख्य गेट में वाहन रोकने को बैरीकेडिंग करायें, ताकि परिक्रमा मार्ग में गाड़ी प्रवेश न कर सके। निरीक्षण में एसडीएम कर्वी सौरभ यादव, सीओ सिटी राजकमल, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

तीन महीने बीतने पर भी दहशत में है पीडिता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के पुरानी बाजार की युवती 19 अप्रैल को सवेरे बाजार से ब्रेड व नमकीन लेने आई थी। तभी पुरानी बाजार के थोपू उर्फ राजेश यादव पुत्र विजय यादव चार साथियों के साथ छेड़छाड़ करने लगा। बुरी नीयत से घसीटने लगा। युवती के चिल्लाने पर मोहल्लेवासियों के एकत्र होते देख धमकी देकर वह भाग गया। मंगलवार को पीडिता ने बताया कि वह किसी तरह हिम्मत जुटाकर कोतवाली कर्वी में तहरीर देकर 19 अप्रैल 2024 को कार्यवाही की गुहार लगाई थी। तीन माह बीतने के बाद भी कोई कार्यवाही अभी तक नहीं हो सकी। पीडिता ने मुख्यमंत्री, महिला आयोग, जिलाधिकारी, डीआईजी बांदा, मानवाधिकार, पुलिस अधीक्षक को भेजे पत्र में कहा कि थोपू उर्फ राजेश यादव दबंग किस्म का है। उससे उसे या परिवार के साथ कोई बड़ी घटना हो सकती है। पीडिता ने दबंग के खिलाफ जल्द कार्यवाही की मांग की है।

पौधरोपण कर वर्षा जल में करें वृद्धिः डीएम

एक से सात जुलाई तक लगेंगे 7198440 पौधे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रदेश शासन ने एक से सात जुलाई तक जिले में 7198440 पौधरोपण का लक्ष्य तय किया है। वन महोत्सव 2024 में विकास भवन परिसर में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, सीडीओ अमृतपाल कौर की मौजूदगी में वन महोत्सव हुआ।

पौधरोपण करते डीएम-एसपी आदि।

मंगलवार को अधिकारियों ने पौधरोपण किया। वृक्षों का जीवन में महत्व बताया। जिलाधिकारी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर वर्षा जल में वृद्धि करें। वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनायें। पौधरोपण में सभी का सहयोग मिलने का आवाहन किया। इस मौके पर उप निदेशक रानीपुर टाइगर रिजर्व नरेन्द्र सिंह, डीपीआरओ इन्द्र नारायण सिंह, डीसी एन आर एल एम ओमप्रकाश मिश्र, डीपीओ पीडी विश्वकर्मा, वन्यजीव प्रतिपालक दिलीप कुमार तिवारी, एसडीओ राजीव रंजन सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी नफीस खान, क्षेत्रीय वनाधिकारी रैपुरा राधेश्याम दिवाकर, क्षेत्रीय वनाधिकारी मारकुण्डी मो नदीम आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्म बाद महिला बैंककर्मी के ब्लैकमेलर की जमानत खारिज

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। महिला बैंक कर्मी को घर बुलाकर दुष्कर्म कर वीडियो बनाने के मामले में जेल में बंद आरोपी बैंक खाताधारक का जमानत प्रार्थना पत्र फास्ट ट्रैक कोर्ट के अपर जनपद न्यायाधीश ने निरस्त कर दिया है।

मंगलवार को सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपालदास ने बताया कि कर्वी कोतवाली में सात जून 2024 को बैंक कर्मी ने रिपोर्ट लिखायी थी कि कर्वी कोतवाली के चकला राजरानी गांव के कुलदीप सिंह बैंक काम से घर आता-जाता था। एक दिन वह कुलदीप के गांव वाले घर गई, जहां उसने कुछ खिला दिया। उसे चक्कर आने के दौरान गलत काम किया। उसका वीडियो भी बना लिया। पीड़िता ने आरोपी कुलदीप सिंह पर ब्लैकमेल का आरोप लगाया। छह माह तक गलत काम करता रहा। विरोध पर फोटो व गंदी वीडियो वायरल करने की धमकी देता रहा। कुलदीप ने उसे अन्य लोगों से सम्बन्ध बनाने को मजबूर किया। उसने कुलदीप का नम्बर ब्लॉक कर बात करना बंद कर दिया। 25 मार्च 2024 को पति के पास गंदी फोटो व वीडियो भेजकर उसका जीवन बर्बाद कर दिया। अब वह आत्महत्या को मजबूर है। पुलिस ने दुष्कर्म व 66 आईटी एक्ट के तहत मामला दर्जकर आरोपी को जेल भेजा था। आरोपी ने अधिवक्ता के जरिये न्यायालय में जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया था। बचाव व अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीले सुनने के बाद मंगलवार को त्वरित न्यायालय के अपर जनपद न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने आरोपी कुलदीप सिंह का जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने नौ आतंकवादी मार गिराए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर और लक्की मारवत जिलों में नौ आतंकवादियों को मार गिराया। यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने विज्ञप्ति में दी। मुल्क में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत को आतंकवादियों का गढ़ माना जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने सोमवार को खैबर के तिराह इलाके में खुफिया अभियान में खूंखार आतंकवादी कमांडर नजीब उर्फ अब्दुर रहमान और आतंकवादी कमांडर इशफाक उर्फ मुआविया सहित सात आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इनके पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद हुआ है। इसके अलावा लक्की मारवत जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। उधर, डेरा इस्माइल खान की कुलाची तहसील के मद्दी इलाके में एक लक्षित हमले में एफसी का एक अधिकारी शहीद हो गया। पुलिस ने उसकी पहचान 24 वर्षीय नौमान के रूप में की है।

पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट ऐंड सिक्योरिटी स्टडीज ने कहा है कि आतंकवादियों ने पिछले महीने मुल्क में 69 हमले किए। इन हमलों में 60 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 33 सुरक्षा बलों के जवान, 26 नागरिक और एक आतंकवादी शामिल है। इसके अतिरिक्त, 65 लोग घायल हुए।

नेपाल में तीन माह पुराना गठबंधन टूटा, ओली होंगे नए प्रधानमंत्री

काठमांडू। नेपाल में तीन माह पुराना सत्ता गठबंधन आखिरकार टूट गया। आधीरात नेकपा एमाले और नेपाली कांग्रेस के बीच नए सत्ता समीकरण के लिए समझौता हुआ है। एमाले अध्यक्ष केपी ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के बीच केंद्र से प्रदेश सरकारों के नेतृत्व परिवर्तन करने को लेकर सहमति हुई है। नई सहमति के मुताबिक अब केपी शर्मा ओली नए प्रधानमंत्री होंगे। इस बात पर सहमति बनी है कि तीन प्रदेशों में एमाले और तीन प्रदेशों में नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में सरकार का गठन किया जाएगा। केंद्र में नेपाली कांग्रेस को 10 मंत्रालय, एमाले को प्रधानमंत्री सहित नौ मंत्रालय और मधेशी पार्टी को छह मंत्रालय दिए जाएंगे।

आज नेकपा एमाले प्रचंड सरकार से समर्थन वापस लेगी। इसके लिए एमाले ने संसदीय दल की बैठक आहूत की है। नेपाली कांग्रेस ने भी सुबह नौ बजे पदाधिकारियों की बैठक बुलाई है। बैठक में एमाले नेता केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए समर्थन देने का औपचारिक निर्णय लिया जाएगा।

इजराइल पर गाजा से रॉकेटों की बौछार, रफाह पर टैंकों से जवाबी हमला

यरुशलम। इजराइल पर गाजा के फलस्तीनी सशस्त्र संगठन इस्लामिक जिहाद ने रॉकेटों से हमला किया। हालांकि इस हमले में हुए नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं गाजा सिटी के उपनगर शेजया और रफाह पर इजराइली सेना ने टैंकों से जवाबी बड़े हमले किए हैं। ईरान समर्थित इस्लामिक जिहाद ने कहा कि फलस्तीनी लोगों पर इजराइल के अत्याचार के जवाब में लड़ाकों ने रॉकेट हमले किए हैं। इजराइली सेना ने कहा है कि गाजा से इजराइल पर करीब 20 रॉकेट दागे गए लेकिन उनसे कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन इस हमले ने यह जता दिया है कि लड़ाकों के पास अभी भी इजराइल पर हमले की क्षमता है। सेना ने कहा कि हम फलस्तीनी आतंकियों की इसी क्षमता को खत्म करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस बीच इजराइली टैंक गाजा सिटी के उपनगर शेजया में और भीतर तक घुस गए हैं और वहां पर गोलाबारी कर रहे हैं। वहां पर पांच दिनों से इजराइली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच लड़ाई जारी है। इजराइली सेना ने कहा है कि शेजया में बड़ी संख्या में आतंकी मारे गए हैं और काफी हथियार बरामद किए गए हैं। मिस्र की सीमा पर स्थित रफाह में भी इजराइली सेना टैंकों से गोलाबारी कर रही है। हमास ने दावा किया है कि वहां पर इजराइली सैनिकों को एक मकान में फंसाकर उस मकान को विस्फोट से ध्वस्त कर दिया गया। इस घटना में कई इजराइली सैनिक मारे गए हैं लेकिन इजराइली सेना ने रफाह में एक सैनिक के मारे जाने की जानकारी दी है। लगभग दो महीनों से जारी लड़ाई में इजरायली सेना इस शहर पर कब्जा नहीं कर पाई है। लेकिन गाजा में सात अक्टूबर, 2023 से मारे गए फलस्तीनियों की संख्या 38 हजार के करीब पहुंच गई है। इस बीच वेस्ट बैंक में इजरायल की कार्रवाई में एक महिला और उसके बेटे के मारे जाने की सूचना है।

स्वीडन में पितृत्व अवकाश को मान्यता देने वाला नया कानून लागू

कोपेनहेगन, 2 जुलाई (हि.स.)। स्वीडन ने सोमवार को पितृत्व अवकाश का नया कानून लागू किया, जिसके तहत दादा-दादी को बच्चे के जन्म के प्रथम वर्ष के दौरान तीन महीने तक अपने पोते-पोतियों की देखभाल करने के लिए वेतन सहित पितृत्व अवकाश लेने की अनुमति दी जाएगी। स्वीडन की 349 सीटों वाली संसद ह्यरिक्सडागह्न ने पिछले साल दिसंबर में पितृत्व भत्ते के हस्तांतरण पर सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके बाद यह कानून लागू किया गया है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

ढाका में जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने भटक रहे बीमार कस्तूरी बिलाव को बचाया

ढाका। जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने सोमवार देर रात मीर मोशर्रफ हुसैन हॉल क्षेत्र में भटक रहे एक बीमार कस्तूरी बिलाव (सिवेट) को बचा लिया। इसके बाद उसे विश्वविद्यालय के वन्यजीव बचाव केंद्र में रखा गया। कुछ छात्रों ने घूम रहे इस बिलाव का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था।

प्राणीशास्त्र के छात्र रबीउल इस्लाम रोबी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ह्नरविवार रात से यह सिवेट परिसर के चारों ओर असामान्य रूप से घूम रहा है। लार टपका रहा है। बहुत थका हुआ लग रहा है। आमतौर पर एक सिवेट इस तरह से व्यवहार नहीं करता। यह ऐसा व्यवहार तभी करता है, जब बीमार हो या परिसर में इसका आवास नष्ट कर दिया गया हो।ह्व

दरअसल, हाल ही में विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में नई इमारतों के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई की है, जिससे इससे परिसर की जैव विविधता और जानवरों के आवास को नुकसान पहुंचा है। इसलिए इस कस्तूरी बिलाव (सिवेट) के भटकने की संभावना जताई गई। इसके बाद प्राणी शास्त्र विभाग के प्रो. डॉ. कमरुल हसन और 46वें बैच के छात्र रिपन रेहान व अन्य छात्रों ने इस बचाया। प्रो. हसन का कहना है कि कस्तूरी बिलाव शर्मीला होता है। यह मुख्य रूप से भोजन के लिए रात में बाहर आते हैं, लेकिन इंसानों के पास कम ही देखे जाते हैं। कस्तूरी बिलाव को गंधमार्जार और गंध बिलाव भी कहा जाता है। यह एशिया और अफ्रीका के ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों (विशेषकर वनों) में रहते हैं। यह आसानी से वृक्षों में चढ़ जाते हैं और आमतौर पर रात्रि में ही बाहर निकलते हैं। इनकी वैसी तो कई प्रजातियां हैं, जिनमें से एक भारतीय कस्तूरी बिलाव है। यह ऑस्ट्रेलिया से लेकर भारत और चीन तक पाए जाते हैं। इसका कद लगभग तीन फीट लंबा और 10 इंच ऊंचा होता है। रंग स्लेटी होता है और उस पर काली चित्तियां रहती हैं। दूसरा अफ्रीकी कस्तूरी बिलाव है। कस्तूरी बिलाव का शरीर बिल्ली जैसा होता है, लेकिन इसका मुख कुछ-कुछ कुत्ते की भांति आगे से खिंचा हुआ होता है। इनमें एक ग्रंथि होती है, जिससे वह अपनी कस्तूरी जैसी महक पैदा करते हैं।

केन्या में नए कर कानून के खिलाफ नागरिक सड़कों पर, 39 की मौत

नैरोबी। केन्या में नए कर कानून के खिलाफ हो रहे देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान पुलिस गोलीबारी में कम से कम 39 लोग मारे गए हैं। स्थानीय समाचार पत्र पीपल डेली की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार और सुरक्षा एजेसिंयों की चेतावनी का नागरिकों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। नागरिक नए सिरे से सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं।

केन्या नेशनल कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स के के मुताबिक केन्या में कर कानून के विरोध हुए देशव्यापी प्रदर्शनों में 39 लोग मारे गए हैं और 361 घायल हुए हैं। इसके अलावा 32 लोग लापता हैं। इस दौरान 627 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। उधर, बिगड़ती कानून व्यवस्था से चिंतित केन्या के सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाबलों को तैनात करने का आदेश दिया है।

उल्लेखनीय है कि केन्या में मई में फाइनेंस विधेयक 2024 पेश किया गया था। रोजमर्रा के उपयोग की चीजों पर भारी-भरकम टैक्स लगाने का प्रस्ताव है। इस विधेयक को लेकर संसद में वोटिंग हुई। करीब 195 सांसदों में से 106 ने इसके पक्ष में वोट किया। इसकी भनक लगते ही सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गया। आक्रोशित भीड़ ने संसद में आग लगा दी। स्थिति संभालने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने कहा है कि हिंसा और अराजकता के खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा। केन्या में जारी उपद्रव से भारत चिंतित है। केन्या में 80 हजार से एक लाख तक भारतीय रहते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी प्रक्रिया में नहीं दी छूट

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी प्रक्रिया में किसी तरह की छूट देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि जब वह देश में राष्ट्रपति पद पर थे तब इस छूट के हकदार थे लेकिन पद से हटने के बाद उन्हें ऐसी कोई सुविधा नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट में नौ न्यायाधीशों की पीठ ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया है।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति को कुछ ऐसे मामलों में कानूनी प्रक्रिया में छूट हासिल है जिनसे संबंधित फैसले उन्होंने राष्ट्रपति के कार्यकाल में लिए हों लेकिन आपराधिक मामलों में छूट का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए ट्रंप को 2020 का चुनाव हारने के बाद किए कृत्यों पर छूट नहीं मिल सकती है। इस प्रकार से सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमा चलाए जाने से छूट की ट्रंप की अर्जी को खारिज कर दिया है।

अमेरिका में 18वीं सदी में देश की स्थापना के बाद यह पहला मौका है जब सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति को आपराधिक मामलों में कानूनी प्रक्रिया में किसी तरह की छूट देने से स्पष्ट रूप से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट ने बहुमत के आधार पर लिए गए इस फैसले का एलान किया। विदित हो कि ट्रंप को निचली अदालत ने प्रक्रिया में किसी तरह की छूट देने से इनकार कर दिया था। इसी के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे।

ट्रंप आगामी पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की ओर से संभावित प्रत्याशी हैं। कोर्ट में सुनवाई में ट्रंप के वकील ने कहा था चुनाव में मुकाबले से हटाने के लिए प्रतिद्वंद्वी पक्ष ने उनके मुवक्किल को मामले में झूठा फंसाकर ब्लैकमेल करने का प्रयास किया है। इसलिए उनके खिलाफ चल रही कानूनी प्रक्रिया को रोका जाना चाहिए।

विदित हो कि ट्रंप अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक मामले में आरोपित किया गया और दोषी ठहराया गया है। ट्रंप के खिलाफ अमेरिकी न्यायालयों में कई मुकदमे चल रहे हैं। इनमें सबसे चर्चित मुकदमा पोर्न फिल्मों की स्टार स्टार्मी डेनियल्स के साथ उनके संबंधों को लेकर है।

तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी की पहली रूस यात्रा

संयुक्त राष्ट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते मास्को जाने वाले हैं. उनकी इस यात्रा से कई अहम संदेश निकलेंगे और दोनों देशों के बीच संबंध और भी प्रगाढ़ होंगे. ये बात संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने सोमवार को कही. इस महीने के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा,"रूस लंबे समय से भारत का मित्र देश रहा है. भारत के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी है। वसीली नेबेंजिया ने कहा, "दोनों देश अहम मुद्दों पर ठोस बातचीत करेंगे" और "इससे गंभीर संदेश निकलेंगे, संयुक्त दस्तावेज के रूप में." उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि रूस-भारत संबंध और भी बेहतर होंगे." इस यात्रा का विशेष महत्व है क्योंकि यह प्रधानमंत्री मोदी की तीसरी बार चुने जाने के बाद पहली रूस यात्रा होगी. फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया, उसके बाद से भारत और रूस के बीच कोई उच्च स्तरीय द्विपक्षीय यात्रा नहीं हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार 2019 में रूस का दौरा किया था, जब उन्होंने व्लादिवोस्तोक में पांचवें पूर्वी आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन में भाग लिया था. मॉस्को की पीएम मोदी की आखिरी आधिकारिक यात्रा 2015 में हुई थी. पुतिन की भारत की आखिरी यात्रा 2021 में हुई थी. उन्होंने पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लिया था. इस बीच, पीएम मोदी ने 2021 और 2023 में अमेरिका का दौरा किया, जब राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनका स्वागत किया. भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की सार्वजनिक निंदा नहीं की है, हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 में उज्बेकिस्तान में एक बैठक के दौरान पुतिन से सीधे कहा, "मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है, और मैंने इस बारे में आपसे फोन पर बात की है." भारत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाना जारी रखा है और प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के संपर्क में भी हैं. पश्चिमी देशों को नजरअंदाज करते हुए, नई दिल्ली ने मास्को के साथ आर्थिक और रक्षा संबंध जारी रखा है, खासकर ऊर्जा के क्षेत्र में।

नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड का इस्तीफा देने से इंकार, विश्वास मत हासिल करने की बात कही

काठमांडू। नेपाल सरकार के अल्पमत में आने के बाद प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने मंगलवार को इस्तीफा देने से इंकार कर दिया है। उन्होंने बहुमत खोने के बाद सत्ता छोड़ने के बजाय संसद में विश्वास मत हासिल करने की बात कही है।

दरअसल, सोमवार रात को सरकार के प्रमुख दल नेकपा एमाले और प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के हाथ मिलाने के बाद अल्पमत में आ गए प्रचंड ने आज कहा कि वो अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में प्रचंड ने माओवादी पार्टी की सचिवालय बैठक बुलाई थी। इसी बैठक में प्रधानमंत्री ने पद से इस्तीफा नहीं देने का निर्णय लिया। इस बैठक के बारे में जानकारी देते हुए पार्टी महासचिव देव गुरूंग ने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के मुताबिक प्रचंड संसद में विश्वास का मत हासिल करेंगे। इसके लिए 30 दिन का समय है।

उन्होंने नेपाली कांग्रेस और नेकपा एमाले के बीच हुए गठबंधन को माओवादी ने खतरनाक बताया है। दो बड़ी पार्टियों के मिलने से न सिर्फ संविधान खतरे में आ गया है, बल्कि नए संविधान को उलटाने के लिए ही यह गठबंधन बनाया गया है।

ईरान में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मुश्किल हुए हालात, वोटरों ने बनाई दूरी, उम्मीदवारों को कैसे मिलेगा बहुमत

दुबई: लगभग 20 साल से भी पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार की नमाज के दौरान असंतुष्ट वोटर्स को लेकर अमेरिका की निंदा की थी. खामेनेई ने 2001 में कहा था कि किसी भी देश के लिए यह शर्मनाक है कि वहां 35 प्रतिशत या 40 फीसदी मतदान हुआ. इससे यह स्पष्ट है कि उनके लोगों को अपनी राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं है.

अब दो दशक बाद ईरान भी इसी स्थिति का सामना कर रहा है, जिसका वर्णन अयातुल्ला ने किया था. ईरान में शुक्रवार को राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का चुनाव होगा, जो 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से देश में इस पद के लिए दूसरा चुनाव है. चुनाव के लिए पिछले सप्ताह केवल 39.9 फीसदी मतदाताओं ने ही मतदान किया था. हालांकि, चुनाव में कोई भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत वोट हासिल नहीं कर सका. इसके अलावा बड़ा तादाद में लोग वोट नहीं कर रहे हैं, जो इस बात का संकेत है कि लोग मतदान करने के लिए बाध्य महसूस कर रहे हैं और वे सभी उम्मीदवारों को खारिज करना चाहते हैं.

इस बीच ईरान की अर्थव्यवस्था के कई सालों से निम्न स्तर पर जा रहा है, जिसके चलते लोगों में गुस्सा है, साथ ही असहमति पर खूनी दमन भी हो रहा है, जिसमें 2022 में महसा अमिनी की मौत के बाद भड़के विरोध प्रदर्शन भी शामिल हैं. बता दें कि पुलिस ने अमिनी को कथित तौर पर अपनी पसंद के अनुसार हिजाब नहीं पहनने के कारण हिरासत में लिया था. इसके अलावा ईरान का पश्चिम के साथ तनाव अभी भी बना हुआ है, क्योंकि ईरान यूरेनियम को पहले से कहीं अधिक हथियार-ग्रेड स्तरों के करीब समृद्ध कर रहा है.

लोगों को लगता है वोट की नहीं है अहमियत

ईरान में जारी राष्ट्रपति चुनाव में कट्टर माने जाने वाले पूर्व परमाणु वातार्कार सईद जलीली का मुकाबला मसूद पेजेशकियन से है, जो एक हार्ट सर्जन हैं और जिन्हें राष्ट्रपति पद जीतने के लिए संभवतः व्यापक मतदान की जरूरत है. पेजेशकियन के समर्थक जलीली के शासन में आने वाले काले दिनों की चेतावनी दे रहे हैं. वहीं, कुछ लोगों को यकीन नहीं है कि उनके वोट का कोई महत्व भी है. उनको लगता है कि उनके वोट की कोई अहमियत नहीं है.

ग्राफिक डिजाइन का अध्ययन करने वाली 23 वर्षीय यूनिवर्सिटी छात्रा लीला सैय्यदी ने कहा, "मैंने वोट नहीं दिया और मैं नहीं दूंगी, क्योंकि महसा और उसके बाद युवाओं के सामने आने वाली परेशानियों के लिए किसी ने माफी नहीं मांगी, न तो सुधारवादियों ने और न ही कट्टरपंथियों ने."

ग्राफिक डिजाइन की पढ़ाई कर रही 23 साल की यूनिवर्सिटी छात्रा लीला सैय्यदी ने कहा, "मैंने वोट नहीं दिया और मैं नहीं दूंगी, क्योंकि महसा और उसके बाद युवाओं के सामने आने वाली परेशानियों के लिए किसी ने माफी नहीं मांगी, न ही सुधारवादियों ने और न ही कट्टरपंथियों ने."

50 फीसदी से अधिक वोट प्राप्त करना जरूरी

ईरानी चुनाव कानून के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव में किसी भी उम्मीदवार को जीतने के लिए 50 फीसदी से अधिक वोट प्राप्त करना आवश्यक है. शनिवार को जारी पहले चरण के परिणामों में पेजेशकियन को 10.4 मिलियन वोट मिले, जबकि जलीली को 9.4 मिलियन वोट मिले. संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ 3.3 मिलियन वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि शिया धर्मगुरु मुस्तफा पूरमोहम्मदी को 206,000 से अधिक वोट मिले. इसके चलते अब दोसरा रनऑफ शुक्रवार को दूसरा रनऑफ करवाया जाएगा

विश्लेषकों का कहना है कि ईरान के अर्धसैनिक क्रांतिकारी गार्ड के पूर्व जनरल और राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख कलीबाफ के अधिकांश मतदाता, जो छात्रों के खिलाफ कार्रवाई और भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए जाने जाते हैं, कलीबाफ की ओर से उनका समर्थन किए जाने के बाद वे जलीली के पक्ष में मतदान करेंगे. इसके चलके 58 साल के जलीली रनऑफ के लिए अग्रणी स्थान पर आ गए हैं.

वहीं, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के दौरान पश्चिमी राजनयिकों के बीच उनकी अड़ियल छवि के साथ-साथ उनके विचारों को लेकर घर में चिंता भी है. उदारवादियों के साथ खुद को जोड़ने वाले एक राजनेता, ईरान के पूर्व सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्री मोहम्मद जावेद अजारी जहरोमी ने जलीली और पेजेशकियन के बीच चुनाव को लेकर कहा कि वह ईरामन को तालिबान के हाथ में नहीं आने देंगे.

लोगों को चुनाव में नहीं दिलचस्पी

उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "हम ईरान को तालिबान के हाथों में नहीं आने देंगे." हालांकि, ऐसी भयावह चेतावनियों का भी कोई असर नहीं हुआ. 28 जून को मतदान के बाद तेहरान की सड़कों पर कई लोगों ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा कि उन्हें चुनाव की कोई परवाह नहीं है.

27 साल के छात्र अहमद ताहेरी ने कहा, "मैंने मतदान नहीं किया, क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति अपने वादों को पूरा करने में विफल रहे. मैं इस आने वाले शुक्रवार को भी मतदान नहीं करूंगा." 43 साल के इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर और दो बच्चों के पिता मोहम्मद अली रोबती ने कहा कि लोगों ने आर्थिक दबावों के चलते मतदान नहीं किया. रोबती ने कहा, "कई वर्षों की आर्थिक कठिनाइयों के बाद, मुझे राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है." हालांकि उन्होंने शुक्रवार को मतदान करने की संभावना से इनकार किया.